



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண பாரத ராஷ்டிரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 प्रधानमंत्री मोदी को अपशद कह रही कांग्रेस : भाजपा

6 छात्रों का आत्मघात: सपनों का बोझ है क्या सिस्टम की नाकामी?

7 एक जैसे किरदार निभाने में कोई मजा नहीं : जयदीप अहलावत

फास्ट टैक

पाकिस्तान ने जहाज-रोधी हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित जहाज-रोधी हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया। सेना के मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक, ये प्रणाली लंबी दूरी से समुद्री खतरों को बेअसर कर सकती है। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में बताया कि हवा में दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल लैंग्वर 'सटीक हमले की क्षमता और अभियानगत तत्परता का एक सशक्त प्रदर्शन' है। बयान के मुताबिक, हवा में दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल ने असाधारण सटीकता के साथ अपने मिशन को अंजाम दिया, जिससे लंबी दूरी से दुश्मन के समुद्री खतरों का पता लगाने, उन्हें निशाना बनाने और निष्पत्ति रूप से बेअसर करने की पाकिस्तान नौसेना की युद्ध क्षमता प्रमाणित हुई।

जर्मनी के गुरुद्वारे में झड़प में चार घायल

लंदन/भाषा। जर्मनी के मोर्स शहर में एक गुरुद्वारे में दो गुटों के बीच झड़प में चार लोग घायल हो गए, जिसके बाद विशेष बलों सहित सुरक्षा बल को बड़े पैमाने पर तैनात किया गया। जर्मनी के अधिकारियों और खबरों में यह जानकारी दी गई। वेसेल जिला पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना रविवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:20 बजे सिख सामुदायिक केंद्र में प्रार्थना के समय तब हुई, जब वहां मौजूद दो समूहों के बीच कहासुनी हुई। पुलिस ने रविवार को जारी बयान में कहा, "चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं।" बयान में गया कि कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानन कंपनियों पर प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली/इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलामग में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे के विमानों के लिए अपने-अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए थे। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय विमानों के लिए बंद है, वहीं पिछले साल 30 अप्रैल से पाकिस्तानी विमानों को भारतीय हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने 'नोटिस टू एयरमैन' (नोटम) में कहा है कि "सभी भारतीय-पंजीकृत, पड़े पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को 24 मई, 2026 को सुबह पांच बजे तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।"

लोगों को धार्मिक और भाषाई आधार पर बांटने के प्रयास किए जा रहे हैं : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि लोगों को धार्मिक और भाषाई आधार पर विभाजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति इसकी 'विधिता में एकता' में निहित है।

अगरतला से लगभग 23 किलोमीटर दूर फकरीपुरा में मां चिन्मयी साँवर्य मंदिर में अभिषेक समारोह के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि कुछ 'बुरी ताकतें' इस बाल से चिंतित हैं कि यदि भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत शक्ति के बल पर प्रगति करेगा तो उनकी 'दुकानें' बंद हो जाएंगी। उन्होंने कहा, "वे धर्मों और भाषाओं के आधार पर लोगों के बीच कलह पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उदाहरण



■ कुछ 'बुरी ताकतें' इस बात से चिंतित हैं कि यदि भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत शक्ति के बल पर प्रगति करेगा तो उनकी 'दुकानें' बंद हो जाएंगी।

देने की आवश्यकता नहीं है।" त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेन रेड्डी, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री माणिक साहा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि विधिता लंबे समय से भारत की पहचान रही है और कहा कि

अनेक भाषाओं, धर्मों, परंपराओं और संस्कृतियों के बावजूद देश ने सदियों से प्रगति की है। उन्होंने कहा, "जिन देशों का इतिहास 4,000 या 5,000 वर्ष से अधिक पुराना नहीं है, उनमें एक धर्म और एक भाषा हो सकती है, लेकिन भारत बिल्कुल अलग है, जिसका लंबा इतिहास, परंपरा

और संस्कृति है।" उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और फूट डालने के प्रयासों को विफल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, चाहे कोई भी स्थिति उत्पन्न हो जाए, भय के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वर्तमान विश्व व्यवस्था में, शक्ति अक्सर सत्य को ढक लेती है। उन्होंने कहा, "यदि आपके पास शक्ति है, तो आत्मीय सामर्थ्य सिद्ध हो जाएगा, और कोई इस बात पर ध्यान नहीं देगा कि आप सही मार्ग पर हैं या नहीं।"



केरल के त्रिशूर में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से 13 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के त्रिशूर जिले के मुंजाथिकोड में मंगलवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तीन महिलाओं समेत तेरह घायल व्यक्तियों का इलाज कराया जा रहा है। त्रिशूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने बताया कि



विद्यार्थी नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को आईआईएमटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डिग्री प्राप्त करना जीवन का अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है।

समारोह में वर्ष 2024 और 2025 बैच के लगभग 3940 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। एक बयान के मुताबिक, 203 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 29 शोधाथियों को पीएचडी की उपाधि दी गई। उपराष्ट्रपति ने 17 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया। साथ ही, स्वामी कैलाशानंद गिरी, स्वामी चिदानंद सरस्वती और डॉ. हरी सिंह रावत को मानद डॉक्टरेट की उपाधि दी गई।

राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से शिक्षा को राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सभी विद्यार्थियों को नौकरी देने वाला बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। सफलता के लिए परिश्रम पर बल दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. दीपा शर्मा ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें नवाचार और गुणल से किए गए कर्म को प्रमुख उपलब्धियां बताया गया।

'तमिलनाडु से विश्वासघात करने वालों के लिए हमेशा 'खतरा' बना रहूंगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि जो लोग तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करेंगे और इसके विकास में बाधा डालना चाहते हैं, उनके लिए वह हमेशा 'खतरा' साबित होंगे।

स्टालिन ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा परिसीमन के लिए की जा रही आक्रामक कार्रवाई, तमिलनाडु जैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को 'दंडित' करने के लिए है। द्रविड़ मुनेत्र कणम (द्रमुक) अध्यक्ष स्टालिन ने विपक्ष के उस दावे को याद किया जिसमें उन्हें कलैंगनार (दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि) से भी अधिक 'खतरनाक' बताया था।

उन्होंने कहा कि करुणानिधि से उनकी तुलना कभी नहीं की जा सकती, जो उनके लिए पिता से बढ़कर एक प्रेरणादायक नेता थे। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो संदेश में



■ पिछले पांच वर्षों में, मुख्यमंत्री के रूप में लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया और मैंने कल्याणकारी सहायता वितरित करके और राज्य के हितों की रक्षा करके इस भरोसे को बखूबी निभाया।

उन्होंने कहा, 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों ने कहा था—'स्टालिन कलैंगनार से भी अधिक खतरनाक हैं। मेरी तुलना उनसे कभी नहीं की जा सकती। मैंने उन्हें पिता से ज्यादा नेता के रूप में अधिक बार संबोधित किया। जब वे ऐसा कहते हैं तो मेरे मन में एक ही बात आती है—जो लोग तमिलनाडु को धोखा देना चाहते हैं और इसके विकास में बाधा डालना चाहते हैं, उनके

लिए मैं हमेशा एक खतरा बना रहूंगा। उन्होंने पूछा, "अगर मैं इस मामले में कलैंगनार से एक कदम आगे हूँ, तो क्या यह मेरे लिए गर्व की बात नहीं है?" स्टालिन ने कहा, "पिछले पांच वर्षों में, मुख्यमंत्री के रूप में लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया और मैंने कल्याणकारी सहायता वितरित करके और राज्य के हितों की रक्षा करके इस भरोसे को बखूबी निभाया।"

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कल होगा मतदान

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार मंगलवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। इसी के साथ मतदान की तिथि से 48 घंटे पहले का अनिवार्य 'साइलेंट पीरियड' शुरू हो गया है। एक अधिकारी ने बताया कि 'साइलेंट पीरियड' के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा सभाएं करने, जुलूस निकालने या चुनाव प्रचार से जुड़े विज्ञापन जारी करने पर रोक रहेगी।

विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी जोकि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगी। मतलपना चार मई को होगी और इसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। तमिलनाडु के सर्वोदयशील स्थानों पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कोलाथूर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से बातचीत करके अपने चुनाव प्रचार का समाप्त किया। यह इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रहे अनाद्रमुक के महासचिव के. पलानीस्वामी ने पश्चिमी तमिलनाडु में प्रचार के साथ इसका समाप्त किया। उन्होंने लोगों से भ्रष्ट द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और राजग पर परिवारवाद को समाप्त करने का जोरदार आह्वान किया। द्रमुक 164 सीट (कुल 234 निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से बातचीत करके अपने चुनाव प्रचार का समाप्त किया। यह इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

22-04-2026 23-04-2026
सूर्योदय 6:22 बजे सूर्यास्त 5:52 बजे

BSE 79,273.33 (+753.03)
NSE 24,576.60 (+214.75)

सोना 15,990 रु. (24 केटर) प्रति ग्राम
चांदी 262,000 रु. प्रति किलो

निशान मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com



केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तटस्थ-साँच

जो ना तो हॉ ना करते ना, हर मुद्दे पर रहते तटस्थ। जिनके अपने मत नहीं सिद्ध, वे हैं महंत सब सिद्धरस्त। हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम, रहते निजता में अस्तव्यस्त। जो हवा देख करके चलते, सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

ट्रंप ने समझौता न होने पर ईरान पर बमबारी की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर तेहरान बुधवार को समाप्त हो रहे दो सप्ताह के युद्धविराम से पहले अमेरिका के साथ किसी समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो वह ईरान पर बमबारी शुरू कर देंगे। सीएनबीसी के 'स्कॉक बॉक्स' कार्यक्रम में यह पूछे जाने पर कि क्या वह ईरान के साथ युद्धविराम की अवधि बढ़ाएंगे ताकि शांति वार्ता के माध्यम से युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समझौता हो सके, ट्रंप ने कहा, "मैं ऐसा नहीं करना चाहता।" उन्होंने कहा, "उन्हें बातचीत करनी है। और, आप जानते हैं कि एक चीज कहना चाहता...ईरान अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर सकता है। अगर वे समझौता कर लेते हैं, तो



वे फिर से एक मजबूत राष्ट्र, एक शानदार राष्ट्र बन सकते हैं।" ट्रंप ने कहा कि अगर बुधवार को बिना किसी समझौते के युद्धविराम समाप्त हो जाता है, तो वह ईरान पर फिर से हमला शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "मैं बमबारी करने की उम्मीद कर रहा हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि यही बेहतर रुख है।"

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका हफ्तों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ एक शानदार समझौता करेगा।

अमेरिकी सेना ने ईरानी तेल की तस्करी के लिए पूर्व में प्रतिबंधित पोत पर कब्जा किया

वॉशिंगटन/एपी। रक्षा विभाग ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेना के जवान एक तेल टैंकर पर धावा बोलकर उसपर सवार हो गए और उसे अपने कब्जे में ले लिया है। इस टैंकर पर पहले एशिया में ईरानी कच्चे तेल की तस्करी के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। पेटागन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी सेना ने 'यान्त्रिक अधिकार के तहत समुद्री अवरोध' उत्पन्न किया और 'एम/टी टिफानी' नामक टैंकर पर उसके जवान 'बिना किसी प्रतिरोध' के सवार हो गए। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि टिफानी श्रीलंका और इंडोनेशिया के बीच हिंद महासागर में था।

चीन ने ईरानी मालवाहक जहाज से संबंध होने से किया इनकार

बीजिंग/भाषा। चीन ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका द्वारा जव्त किए गए ईरानी मालवाहक जहाज से किसी भी तरह का संबंध होने से मंगलवार को इनकार किया। जहाज पर, कथित तौर पर मिसाइल निर्माण के लिए रासायनिक सामग्री लदी हुई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ब्रास लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "मेरी जानकारी के अनुसार, यह एक विदेशी ध्वज वाला मालवाहक जहाज है। चीन बड़ा-चढ़ा कर किए जाने वाले किसी भी दावे का विरोध करता है।"

जब मानवता की हदें पार कर दी जाती हैं तो जवाब निर्णायक होता है : सेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहलामग आतंकी हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का अपना संकल्प दोहराया और कहा, "जब इंसानियत की हदें पार की जाती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है।" पिछले साल 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलामग में 26 लोगों को मार डाला था, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

भारत ने इसके जवाब में सात मई को एक सैन्य अभियान शुरू किया और पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया। सेना ने 'एक्स' पर कहा, "जब मानवता की हदें पार की जाती हैं तो जवाब निर्णायक होता है। न्याय किया जाता है। भारत एकजुट है।" इस पोस्ट में एक पोस्टर भी साझा किया गया जिसमें भारत के मानचित्र की छायांकित तस्वीर के

असम के कई हिस्सों में तूफान से तबाही

गुवाहाटी/भाषा। असम के कई हिस्सों में आए भारी तूफान के दौरान कामरूप जिले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गुवाहाटी से लगभग 50 किलोमीटर दूर कामरूप जिले के चागांग से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात आए तूफान के दौरान एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। बिहू सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आई भारी बारिश के चलते युवक अन्य लोगों के साथ एक पेड़ के नीचे शरण लिए हुए था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेड़ की एक शाखा टूटकर युवक पर गिर गई जिसके कारण उसकी मौत हो गई। भारी तूफान, तेज बारिश और हवाओं ने राज्य के गोलापारा तथा बोगाईगांव जैसे कई हिस्सों को प्रभावित किया, जिससे संपत्ति एवं फसलों को भारी नुकसान हुआ। मूसलाधार बारिश के कारण गुवाहाटी के कई हिस्से रविवार शाम से जलमग्न हैं, हालांकि पिछले 24 घंटों में बारिश में कुछ कमी आई है। गुवाहाटी में, मंगलवार सुबह सौकुची क्षेत्र में बारिश नहीं है एक शव उतरता मिला। शव पड़ोस के हाटीगांव क्षेत्र के एक युवक अख्तर अली का माना जा रहा है, जो रविवार शाम से लापता था।

पहलगाम आतंकी हमला

एक साल बाद भी परिवारों की पीड़ा बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोगा/बेंगलूर। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर गोलीबारी की घटना के एक साल बाद मंजुनाथ राव के परिवार का कहना है कि जीवन में आगे बढ़ने की कोशिश के बावजूद, उस घटना का दर्द उनके मन में आज भी ताजा है। उनके चचेरे भाई रवि किरण ने यह बात कही। बाईस अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों में दो

कर्नाटक के नागरिक भी शामिल थे, और उनके परिवारों के लिए उस घटना की खोफनाक यादें आज भी ताजा हैं। शिवमोगा के रहने वाले 47 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी मंजुनाथ राव भी पीड़ितों में से एक थे। उनकी पत्नी पल्लवी और बेटे के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, राव अपनी पत्नी और बेटे के साथ कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के तहत पहलगाम गए थे और उन्हें 24 अप्रैल को वापस लौटना था। किरण ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर

बताया, 'वे कुछ भी नहीं भूल सकते। यह उनके मन में बसा हुआ है। लेकिन जिंदगी तो चलती रहती है उनके पास इसके अलावा कोई चारा नहीं है कि वे इस दर्द को सह लें। उनकी पत्नी इस बारे में कहने को तैयार नहीं हैं... कहने के लिए क्या बचा है? जिंदगी तो चलती ही रहती है।'

दूसरे पीड़ित बेंगलूर के रहने वाले 41 वर्षीय आईटी पेशेवर भरत भूषण हैं, जो अपनी पत्नी और तीन वर्षीय बेटे के साथ पहलगाम गए थे। भूषण की आतंकवादियों ने उनकी पत्नी

सुजाता और बेटे के सामने गोली मारकर हत्या कर दी। सुजाता इस हमले में बाल-बाल बच गईं। उनके परिवार के अनुसार, सुजाता को जब पता चला कि उनके पति की मृत्यु हो गई है, तो उन्होंने उनके पहचान पत्र उठाए और अपने बेटे के साथ घटनास्थल से भाग गईं। 'पीटीआई-भाषा' ने बेंगलूर के मट्टिकेरे स्थित भूषण के घर जाकर उनसे बात की, तो उनके पिता वी चैत्रावीरप्पा ने घटना के बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। पहलगाम आतंकी हमला ही 'ऑपरेशन सिद्ध' का आधार बना।

प्रदर्शन



कर्नाटक प्रदेश युवा कांग्रेस कमेटी के सदस्य मंगलवार को बेंगलूर में भारत-यूएस समझौते को रद्द करने की मांग को लेकर फ्रीडम पार्क में धरना देते हुए।

देश को 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखना चाहिए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि देश को निकट भविष्य में 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल आपूर्ति की अनिश्चितता ने देश के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से लागू होने वाले कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-तीन मानकों का इलेक्ट्रिक और 'फ्लेक्स-प्यूल्' वाहनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। 'फ्लेक्स प्यूल्' वाहन एक ऐसा वाहन है जिसमें पेट्रोल/डीजल इंजन लगा होता है और इसे एक से अधिक प्रकार के ईंधन पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है। आमतौर पर पेट्रोल को एथनॉल या मेथनॉल के साथ मिलाकर 'फ्लेक्स प्यूल्' के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

गडकरी ने इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के हरित परिवहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश इस समय पश्चिम एशिया में दुश् के कारण ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है, इसलिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में नरेंद्र मोदी ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की शुरुआत की थी और वर्तमान में वाहन माली बदलाव के साथ इस पर चल सकते हैं।

टीसीएस मामला : पुलिस बोली-आरोपी निदा खान की 'धर्मांतरण' में भूमिका, तलाश जारी

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के नासिक कार्यालय में कई महिला कर्मचारियों के कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े मामलों में आरोपी निदा खान की भूमिका धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने से संबंधित है तथा उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। अधिकारी की यह टिप्पणी निदा के गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण हासिल करने में नाकाम रहने के एक दिन बाद आई है। टीसीएस में यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े कथित मामलों के सिलसिले में अब तक नौ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से एक में निदा और चार अन्य लोगों को आरोपियों के रूप में नामजद किया गया है। इस मामले में अब तक कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश) समिति में स्थानीय सदस्यों को

शामिल किया जाना चाहिए और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत के बजाय नियमित रूप से व्यक्तिगत रूप से बैठकें करनी चाहिए। अधिकारी ने कहा, मामले में निदा की भूमिका कथित धर्मांतरण से संबंधित है। निदा मामले के सामने आने के बाद से फरार है। सत्र अदालत ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है।

टीसीएस के मुताबिक, निदा नासिक कार्यालय में एसोसिएट के रूप में कार्यरत थी। उसने अपनी दो महीने की गर्भावस्था का हवाला देते हुए गिरफ्तारी से तत्काल सुरक्षा का अनुरोध किया है। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि निदा सत्र अदालत से गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा हासिल करने में नाकाम रही और उसे पकड़ने के लिए तलाश अभियान जारी है।

अधिकारी ने बताया कि मामले की ज्यादातर पीड़िताएं मध्यमवर्गीय परिवारों से आती हैं और उनकी उम्र 21 से 30 साल के बीच है। उन्होंने बताया कि ये युवतियां एसोसिएट

स्तर पर कार्यरत थीं और लगभग 20,000 रुपये प्रति माह वेतन पाती थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या पीड़िताओं ने दफ्तर की पॉश समिति से संपर्क किया था, अधिकारी ने कहा कि कुछ तकनीकी समस्या थी और समिति के ज्यादातर सदस्य बाहरी थे।

उन्होंने कहा कि मामले को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए पॉश समिति को सक्रिय होना चाहिए, उसमें स्थानीय सदस्यों की नियुक्ति की जानी चाहिए और सदस्यों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा के बजाय कम से कम हर तीन हफ्ते में एक बार आमने-सामने की बैठक करनी चाहिए। अधिकारी ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि कोई नई पीड़िता सामने नहीं आई है, लेकिन अगर और शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं, तो पुलिस कार्रवाई करेगी। निदा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, मुख्य आरोपी दानिश शेख ने टीसीएस में काम करते समय पीड़िता को अपने दोस्तों-तोंसियों और निदा से मिलवाया था।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में दो लोगों की मौत

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में मंगलवार को पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना रविवार को तमिलनाडु में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के ठीक बाद हुई है, जिसमें 23 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। निगम आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि वाड़ा तालुका के कोसाई गांव में एक पुराने फार्महाउस में टिन के शेड में पटाखा निर्माण इकाई में दोपहर करीब 12 बजे विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि उस समय लगभग 35 श्रमिक पटाखा बनाने में लगे हुए

थे। इन्होंने ज्यादातर महिलाएं थीं। वाड़ा थाने के एक अधिकारी ने बताया, यह घटना उस समय हुई जब रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया चल रही थी। इस घटना में एक मजदूर की मौत हो गई और एक महिला 90 प्रतिशत तक झूलस गई।

अधिकारी ने बताया कि बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें वाड़ा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। उनमें से कुछ को बाद में बेहतर इलाज के लिए भिवंडी उपा-जिला अस्पताल और एक अन्य चिकित्सा केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया।

जोखिम भरे रास्ते, अटूट हौसले: गुज्जर-बकरवाल समुदाय के लोगों का मौसमी पलायन

भद्रवाह/भाषा

जम्मू-कश्मीर में बेमौसम बर्फबारी ने भले ही पहाड़ों को सफेद चादर से ढक दिया हो, लेकिन जीवन की रफ्तार थमी नहीं है। चिनाब घाटी में गुज्जर और बकरवाल समुदाय के सैकड़ों लोग सदियों पुरानी विरासत को कंधों पर उठाए कठिन हालात के बीच ऊंचे चारागाहों की ओर निकल पड़े हैं, एक ऐसा सफर जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चला आ रहा है और जिसे न ठंड रोक पाई, न वक्त। पिछले हफ्ते ये लोग अपने मवेशियों के साथ निकल पड़े और इसी के साथ शुरू हो गया वह सफर जो सदियों से हर मौसम में दोहराया जाता है। ऊंचाई वाले कई इलाकों में असामान्य बर्फबारी के बावजूद यह यात्रा शुरू हुई, जिसने रास्तों को अधिक जोखिम भरा बना दिया है। सैकड़ों परिवारों को पार करते हुए चिनाब घाटी के ऊंचाई वाले घास मैदानों की ओर बढ़ रहे हैं और उन्हें अपने ग्रीष्मकालीन चारागाहों तक पहुंचने में कम से कम एक महीने का समय लेना।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस दिन में 250 खानाबदोश परिवार 10,500 फुट की ऊंचाई पर बर्फ से ढके छत्रगलां जांच चौकी को पार कर चुके हैं। यह वही दर्रा है जो डोडा जिले के भद्रवाह को कठुआ जिले के बसोहली से जोड़ता है। भेड़, बकरियों और घोड़ों के झुंड के साथ ये परिवार खड़ी चढ़ावों, उफनते नालों और किसलन भरे रास्तों से गुजर रहे हैं— जहां हर कदम एक चुनौती, हर मोड़ एक इन्तिहान है। अधिकारियों का कहना है कि यह पलायन इन समुदायों की रोजी-रोटी के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि गर्मियों में इनकी पूरी जिंदगी ऊंचाई वाले चारागाहों पर टिकी होती है। हर साल जब जम्मू



क्षेत्र में सर्दी की विदाई होती है और बसंत दरतक देता है, तो गुज्जर और बकरवाल अपनी सदियों पुरानी राह पर निकल पड़ते हैं तथा डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों के चारागाह एक बार फिर इनके कदमों से जीवंत हो उठते हैं।

बसोहली के 85 वर्षीय अब्दुल मजीद इस बार अपने काफिले को किश्तवाड़ के पदर तक ले जा रहे हैं। 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में उन्होंने कहा, 'इस सफर में जान का खतरा रहता है, लेकिन हम सदियों से यही करते आए हैं। हमारे बुजुर्गों ने यही राह दिखाई, और हमारे पास इस मुश्किल जिंदगी को जारी रखने के सिवा कोई चारा नहीं।' मजीद बताते हैं कि हर साल इस कठिन यात्रा में बकरियां और घोड़े तो मरते ही हैं, कभी-कभी बच्चे और बुजुर्ग भी इस सफर में अपनी जान गंवा देते हैं, लेकिन सरकारी मदद नहीं के बराबर है।

निशात बेगम (63) ने कहा, 'सरथल से गुलवंडा के बीच 15 किलोमीटर के रास्ते में बर्फीले तूफान में हमारी कई बकरियां मर गईं। पिछले हफ्ते लगातार तीन दिन खाने के लाले

पड़े रहे। अब बस एक ही दुआ है मचैल तक सही-सलामत पहुंच जाएँ।' सद्दाम चौहान (14) के लिए यह सफर एक कड़वा सबक बनकर आया। छत्रगलां में उसकी आंखों के सामने बर्फीले तूफान में कई बकरियां दम तोड़ गईं। चौहान ने कहा कि उसके पास भी कोई रास्ता नहीं है तथा पिता और दादा का पेशा ही उसकी तकदीर है। इन खानाबदोशों की मुश्किलें कुछ हद तक कम करने की कोशिश भद्रवाह के वन विभाग ने की है। संभागीय वन अधिकारी देविंदर कुमार ने रज ऑफिसर समीर रिशु की अगुवाई में एक टीम तैनात की है ताकि जंगल से गुजरते वक इन परिवारों के साथ कोई दुर्घटना न हो। रिशु ने कहा, 'पिछले पखवाड़े कई सौ परिवार भद्रवाह वन क्षेत्र से मरते हैं, कभी-कभी बच्चे और बुजुर्ग भी इस सफर में अपनी जान गंवा देते हैं, लेकिन सरकारी मदद नहीं के बराबर है। निशात बेगम (63) ने कहा, 'सरथल से गुलवंडा के बीच 15 किलोमीटर के रास्ते में बर्फीले तूफान में हमारी कई बकरियां मर गईं। पिछले हफ्ते लगातार तीन दिन खाने के लाले

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच दूध की आपूर्ति निर्बाध जारी, दाम स्थिर: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद देशभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आई है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक पूजा रुक्मिणी ने पश्चिम एशिया के हाल के घटनाक्रम पर अंतर-मंत्रालयी बैठक में कहा कि दुग्ध क्षेत्र को ईंधन, गैस तथा प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, डेयरी उत्पादों को एम्पीजी के स्थान पर पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

रुक्मिणी ने संवाददाताओं से कहा, 'मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के बीच भी देशभर में दूध की खरीद, प्रसंस्करण एवं आपूर्ति बिना किसी बाधा के बनी हुई है। दूध और दुग्ध उत्पादों के दाम स्थिर हैं। बाजार में किसी प्रकार की आपूर्ति बाधित नहीं हुई है और संकट की अवधि के दौरान डेयरी किसानों को भुगतान भी जारी रहा है। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश का कुल दूध उत्पादन 24.787 करोड़ टन रहा। निदेशक ने बताया कि सोमवार को देशभर के राज्य दुग्ध महासंघों और दुग्ध संघों के साथ बैठक और दूध की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही डेयरी क्षेत्र पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव पर विचार किया गया। उन्होंने कहा, डेयरी क्षेत्र को ईंधन, गैस तथा प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। निदेशक ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं और डेयरी मूल्य भूखला में सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

गुजरात: धांधुका कस्बे में हत्या, आगजनी के दो दिन बाद विध्वंस अभियान शुरू

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद जिले के धांधुका कस्बे में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ मंगलवार को विध्वंस अभियान शुरू किया गया। यह कदम धांधुका में 'रोड रेज' की घटना को लेकर एक व्यक्ति की हत्या और आगजनी के दो दिन बाद उठाया गया।

पिछले रविवार को धांधुका में दो मोटरसाइकिल के आपस में टकराने के बाद धर्मश गमारा (30) की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। गमारा की हत्या के बाद कस्बे में तनाव भड़क गया और भीड़ ने सात-आठ दुकानों में आग लगा दी।

हत्या में कथित संलिप्तता के लिए समीर और रिजवान नाम के दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया

गया, जबकि 15-20 लोगों को हिरासत में लिया गया। उपमंडल मजिस्ट्रेट विद्यासागर ने बताया कि स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच अवैध निर्माणों को बुलडोजर से ढहाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी पहले से ही हत्या के दोनों आरोपियों की संपत्तियों के सिलसिले में जांच कर रहे थे और उनके मकानों के आसपास किए गए अवैध कब्जे को हटाया जा रहा था।

विद्यासागर ने कहा, 15 दिनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यह प्रक्रिया छह महीने पहले शुरू की गई थी और अब अवैध निर्माणों को ढहाने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि विध्वंस से पहले सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई थीं।

धांधुका-बगोदरा राजमार्ग और खटकीवाड़ समेत अन्य क्षेत्रों में चलाया जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आस्था राणा ने बताया कि लगभग 400 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। विद्यासागर ने कहा कि विध्वंस अभियान में नगर निगम और राजस्व विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं। विद्यासागर के अनुसार, कुछ संपत्तियों की पहचान पहले ही कर ली गई थी और इस घटना के बाद आरोपियों के मकानों पर कार्रवाई शुरू की गई।

चंडीगढ़ में सरकारी स्कूल के शिक्षक पर 20 से अधिक महिला कर्मियों ने उत्पीड़न का आरोप लगाया

चंडीगढ़/भाषा। चंडीगढ़ के एक सरकारी स्कूल की 20 से अधिक महिला कर्मियों ने एक पुरुष शिक्षक के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई और उस पर कामकाज का प्रतिकूल वातावरण बनाने का आरोप लगाया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला कर्मियों ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

विद्युत शिकायत उच्च माध्यमिक विद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति में दर्ज कराई गई है। शिकायत में, महिलाओं ने अपने पुरुष सहकर्मी पर प्रतिकूल,

असुरक्षित और अपमानजनक वातावरण बनाने का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया है कि शिक्षक की प्रवृत्ति आक्रामक व्यवहार, कर्मचारियों के साथ बार-बार कहासुनी, चिल्लाना, धमकी भरा व्यवहार और कार्यस्थल पर बार-बार डराने-धमकाने की रही है। महिलाओं ने फरवरी में हुई एक घटना का जिक्र किया, जिसमें शिक्षक कथित तौर पर आक्रामक ढंग से विल्लाया, डराने-धमकाने वाले अंदाज में उनके बेहद करीब आ गया और धमकी भरी टिप्पणी की थी। शिकायत में कहा गया है, हम मांग करते हैं कि इस शिकायत को कानून के अनुसार तत्काल दर्ज किया जाए और त्वरित जांच के लिए आंतरिक शिकायत समिति के

समक्ष रखा जाए। शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल अंतरिम सुरक्षात्मक उपाय लागू किए जाएं। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि यदि शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे पुलिस का रुख करेंगे। स्कूल शिक्षा निदेशक नीतीश सिंगला ने कहा कि समिति की रिपोर्ट में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। सिंगला ने बताया, आंतरिक शिकायत समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, लेकिन उसमें किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। जिला स्तर पर एक और समिति को भेजा है, और वे जांच कर रहे हैं तथा रिपोर्ट सौंपेंगे। हम दोनों पक्षों की बात सुन रहे हैं।

पहलगाम हमले के पीड़ितों के सम्मान में बनाया गया स्मारक; पहली बरसी से पहले कड़ी सुरक्षा

पहलगाम (जम्मू कश्मीर)/भाषा। पहलगाम में पिछले साल हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक स्मारक बनाया गया। वहीं, अधिकारियों ने घटना की पहली बरसी से पहले पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी है।

लिह्र नदी के किनारे काले संगमरमर से निर्मित एक स्मारक बनाया गया है, जिस पर 26 मृतकों के नाम अंकित हैं, जो बैरसन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की याद दिलाता है। एक साल बाद, यह घाटी बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर रही है।



कुछ आंगतुकों ने सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय लोगों के आतिथ्य सत्कार की बलु प्रशंसा की। नवजात सरकार नाम के एक पर्यटक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जो

होना था वह हो चुका है। लेकिन अगर हम अब इस जगह की यात्रा न करने का फैसला करते हैं, तो यह गलत होगा। भारत में लगभग हर घर के लोग कश्मीर जाने का सपना

देखते हैं... मैं असम से हूँ— हम भी कश्मीर की यात्रा करना चाहते थे। नवजात, देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में आए पर्यटकों के साथ, वर्तमान में पहलगाम के एक रिसॉर्ट में ठहरे हुए हैं, जो इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर पर्यटकों की निरंतर वापसी को दर्शाता है। पिछले साल हुए हमले के बावजूद, पर्यटकों का आना जारी है, जिनमें से कई मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के आतिथ्य सत्कार पर भरोसा जता रहे हैं। पंजाब से आये पर्यटक अंकुर माहेश्वरी ने कहा, हमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हुई—हमारे पूरे प्रयास के दौरान कभी कोई परेशानी या अनुविधा नहीं हुई।

प्रचार



बालुरघाट विधानसभा क्षेत्र से तुणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार अर्पिता घोष पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पहले प्रचार के आखिरी दिन मंगलवार को दक्षिण विनाजपुर जिले के बालुरघाट में चुनाव प्रचार करती हुईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

द्रमुक शासन के अंतर्गत तमिलनाडु में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि द्रमुक शासन में तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है। नायडू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तमिलनाडु के लोगों से समझदारी से फैसला लेने और आगामी चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों को वोट देकर बुलेट की रफ्तार से आगे बढ़ने वाली डबल इंजन सरकार को चुनने की अपील की। उन्होंने द्रमुक और कांग्रेस की ओर निशाना साधते हुए कहा कि महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। नायडू ने आरोप लगाया, अब मैं साफ तौर पर कह रहा हूँ कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है। शहर का बुनियादी ढांचा और नागरिक सुविधाएँ स्तरीय नहीं हैं। वही पुरानी सड़कें हैं, कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी बारिश होने पर चेन्नई में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।



नायडू ने दावा किया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, हिरासत में 32 मौतें हुई हैं और नकली शराब की समस्या भी है। नायडू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि गंगा-कावेरी नदी को जोड़ने का काम केवल प्रधानमंत्री के प्रयासों से ही संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि चाहे किसी को पसंद हो या न हो, अगले दो चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी ही रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिंदी को राष्ट्रीय भाषा घोषित नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि किसी को हिंदी क्यों नहीं सीखनी चाहिए? तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की इस टिप्पणी पर कि दक्षिण के राज्यों ने महिलाओं आरक्षण संशोधन विधेयक और परिसीमन विधेयक का समर्थन न करके दिल्ली को हरा दिया, नायडू ने कहा कि इस तर्क को समझ नहीं सकता। उन्होंने कहा कि केंद्र में राजग सरकार ने एक ऐसा फॉर्मूला पेश किया है जिसके तहत हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी, चाहे राज्य का आकार और जनसंख्या कुछ भी हो। हालांकि इस विधेयक का विरोध करने वाले द्रमुक और कांग्रेस को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

एमजीआर, शिवाजी गणेशन से नजदीकी का कमी फायदा नहीं उठाया : कमल हासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। मकल नीधि मयम (एमएनएम) के प्रमुख और अभिनेता कमल हासन ने कहा कि वह बचपन में तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन (एमजीआर) और तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवाजी गणेशन की गोद में बड़ा करते थे लेकिन उन्होंने कभी इस बात का फायदा नहीं उठाया। हासन की इस टिप्पणी को अभिनेता से नेता बने विजय द्वारा खुद को 'एमजीआर का उत्तराधिकारी' बताने की कोशिशों पर कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है।



सोमवार रात प्रचार किया। इरुदयाराज के साथ हासन ने तिरुचिरापल्ली में रैली निकाली और लोगों से द्रमुक के चुनाव विध 'उगता सूरज' के पक्ष में मतदान करने की अपील की। विजय भी तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

हासन ने विजय की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यहां से दूसरे उम्मीदवार की तरह मैंने भी बहुत कम उम्र में सिनेमा में प्रवेश किया और मैं सिनेमा की सभी हस्तियों को जानता हूँ, लेकिन मैंने कभी उसका फायदा नहीं उठाया। मैं एमजीआर और शिवाजी (गणेशन) की गोद में बड़ा करता था, लेकिन मैंने इस बात का फायदा नहीं उठाया। वास्तव में, एमजीआर मुझे बहुत पसंद करते थे।' हाल में जब विजय यहां प्रचार के लिए आए थे, तब उन्होंने एमजीआर की प्रतिमा के पास रुककर तस्वीर खिंचाई थी। हासन ने कहा कि उनमें अनुशासन केवल इसलिए है क्योंकि उन्हें बहुत अच्छे शिक्षक मिले। उन्होंने लोगों से बच्चों को उनका इतिहास बताने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'बच्चों को बताइए कि यह 'उगता सूरज' कहाँ से आया और इसका उदय कैसे हुआ।' विजय जहाँ भी जाते हैं, वहाँ भी उमड़ पड़ती है, हासन ने इस विचार का जिक्र करते हुए कहा, 'हमने कोयंबटूर में एक विशाल सभा की, जिसमें 1.5 लाख लोग शामिल हुए।'

तमिलनाडु में भाषा नीति पर बढ़ा विवाद :

भाजपा ने स्टालिन सरकार को घेरा, चंद्रबाबू नायडू के 'आंध्र मॉडल' को बताया मिसाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले भाषाई राजनीति का मुद्दा गरमा गया है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एनएस प्रसाद ने सत्तारूढ़ डीएमके (उम्वध) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की दो-भाषा नीति ने राज्य के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। भाजपा ने इसे भाषाई अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक विचारवादी करार दिया है।



भाजपा प्रवक्ता ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की जनक प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नायडू एक दूरदर्शी नेता हैं जिन्होंने 'नि-भाषा सूर' (मातृभाषा, राष्ट्रीय भाषा और वैश्विक भाषा) को अपनाकर आंध्र के छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया है। प्रसाद ने कहा, यदि स्टालिन ने भ्रष्टाचार की राजनीति छोड़कर नायडू से शासन के सबक लिए होते, तो आज तमिलनाडु के छात्र भी बहुभाषी क्षमताओं में आगे होते। भाजपा ने अभिनेता से नेता बने कमल हासन और प्रकाश राज पर 'दोहरे मापदंड' अपनाते का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि प्रकाश राज खुद को राजनीतिक कार्यकर्ता बताते हैं, लेकिन तमिलनाडु में रह रहे कन्नड़ भाषी छात्रों को उनकी मातृभाषा से वंचित किए जाने पर वे चुप हैं। प्रसाद ने कहा कि केरल में जाकर मलयाली लोगों के प्रति प्रेम जताने वाले कमल हासन ने तमिलनाडु में मलयालम शिक्षा पर लगे कथित प्रतिबंध के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला।

अल्पसंख्यकों को प्राथमिक स्तर पर उनकी मातृभाषा में शिक्षा उपलब्ध कराए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके सरकार जानबूझकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छात्र 2020) को लागू करने में बाधा डाल रही है, जिससे तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषी ससुदायों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

भाजपा ने डीएमके पर तीखा हमला करते हुए कहा कि एक तरफ सरकार जनता के लिए हिंदी थोपने का उर फैलाती है, वहीं दूसरी ओर डीएमके नेताओं से जुड़े निजी स्कूलों में हिंदी पढाई जा रही है। उन्होंने इसे स्वायत्तपूर्ण राजनीति और ढोंग बताया। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि आगामी चुनावों में तमिलनाडु की जनता, विशेषकर भाषाई अल्पसंख्यक, एकजुट होकर डीएमके के खिलाफ मतदान करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब चंद्रबाबू नायडू तमिलनाडु में चुनाव प्रचार करेंगे, तो राज्य के अभिभावकों और छात्रों के बीच एक नई घेतना पैदा होगी, जो डीएमके के द्रविड़ मॉडल के मुखांते को उतार देगी।

पलानीस्वामी ने द्रमुक पर अन्नाद्रमुक को तोड़ने की सजिश रचने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को दावा किया कि द्रमुक ने उनकी पार्टी को तोड़ने की सजिश रची थी, लेकिन उसे सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया। तमिलनाडु में बृहस्पतिवार को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार के निवेश को लेकर भी सवाल किए। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन पर अन्नाद्रमुक को तोड़ने की सजिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'जब मैं मुख्यमंत्री के (2016-21), मुझे कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। स्टालिन ने हमारी पार्टी को तोड़ने की सजिश रची, लेकिन हमने उस सजिश को नाकाम कर दिया।' उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि 'यह विधानसभा चुनाव तमिलनाडु का 'शोषण' करके अपना अस्तित्व बनाए रखने वाले 'एक परिवार' और राज्य की जनता के बीच का मुकाबला है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, जनता इस परिवारवादी शासन और वंशानुगत राजनीति का अंत करेगी।'

पलानीस्वामी ने अन्नाद्रमुक के घोषणापत्र में 10 और वादे जोड़े



चेन्नई। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र में 10 अतिरिक्त कल्याणकारी उपायों की घोषणा की, जिससे कुल वादों की संख्या 297 से बढ़कर 307 हो गई। राज्य की 234 विधानसभा सीट के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी। महिलाओं के खिलाफ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अन्नाद्रमुक ने सभी जिला मुख्यालयों में 24 घंटे निगरानी के लिए वॉर रूम स्थापित करने का

वादा किया है। पलानीस्वामी ने एक बयान जारी कर कहा कि यदि अन्नाद्रमुक सत्ता में आती है, तो चयनित 10 लाख बेरोजगार युवाओं को दोपहिया वाहन खरीदने के लिए 10,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी टीवी केबल के मासिक शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कॉलेज छात्रों को रोजगार के अवसरों तक पहुंच और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद के लिए एक विशेष परामर्श टीम का गठन किया जाएगा। आम का उत्पादन करने वाले

किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। युवाओं को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शुरू करने के लिए 30 दिनों के भीतर लाइसेंस देने के वास्ते एकल खिड़की प्रणाली लागू की जाएगी। अन्नाद्रमुक नेता ने यह भी घोषणा की कि कडलूर और विलुपुरम जिलों में छोटे मैदान पर काजू की खेती से जुड़ी महिलाओं को काजू के कठोर छिलके उतारने की मशीनें मुफ्त दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि ताड़ के पेड़ों से गिरने से मृत्यु होने पर परिजनों को 20 लाख रुपये का मुआयजा दिया जाएगा। इसी तरह, निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटनाग्रस्त इमारत से गिरकर मरने वाले श्रमिकों के परिवारों को 2.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। पलानीस्वामी ने कहा कि कृष्णागिरि जिले में जलीकट्टु उस्सव को पारंपरिक रूप से मनाने के लिए सरकारी आदेश जारी किया जाएगा।

पलानीस्वामी ने कहा कि उन्होंने विधानसभा में निवेश के संबंध में एक श्रेत पत्र की मांग की थी। उन्होंने कहा, 'इसके बजाय संबंधित मंत्री ने मुझे एक खाली कागज दिखाया। उस खाली

कागज को दिखाकर उन्होंने प्रभावी रूप से यह प्रदर्शित किया कि वास्तव में कुछ भी नहीं किया गया है।'

अन्नाद्रमुक के सत्ता में आने पर सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों के विकास के लिए प्रयास करने का वादा करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, 'हमारे गठबंधन की घटक पार्टी भाजपा वर्तमान में केंद्र में सत्ता में हैं और हम जनता की सभी इच्छाओं को पूरा करेंगे।'

चरणबद्ध तरीके से लागू करेंगे शराबबंदी : अंबुमणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पडाली मकल काची (पीएमके) के नेता अंबुमणि रामदास ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी पार्टी एवं अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कणम) ने 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आने पर तमिलनाडु में चरणबद्ध तरीके से शराबबंदी लागू करने और तीन महीने के भीतर मादक पदार्थों का पूरी तरह उन्मूलन करने की रचनात्मक योजना तैयार की है। अंबुमणि ने यहां एक बयान में कहा, 'विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि तमिलनाडु में महिलाएं एवं बच्चे नहीं भी और किसी भी समय स्वतंत्र रूप से आ-जा सकें।'

के लिए सरकारी और निजी, दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की योजनाएं तैयार की हैं। उन्होंने कहा, 'यदि इन पहलों को लागू किया गया तो तमिलनाडु एक विकसित राज्य में बदल जाएगा।' उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु में सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए जाति आधारित जनगणना समेत विभिन्न कदम उठाए जाएंगे।'

खरगे ने मोदी पर राजनीतिक दलों को आतंकित करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अपना हमला तेज करते उन पर आरोप लगाया कि वह विपक्ष को दबाने के लिए सरकारी मशीनरी और केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करके राजनीतिक दलों और लोगों को 'आतंकित' कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल के साथ चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खरगे ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहा। हालांकि, जब संवाददाताओं ने इस टिप्पणी का परिप्रेक्ष्य स्पष्ट करने के लिए दबाव डाला, तो कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनका मतलब था कि प्रधानमंत्री देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को 'आतंकित' कर रहे हैं।



खरगे ने कहा, 'वह लोगों और राजनीतिक दलों को आतंकित कर रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह (शब्दशः) आतंकवादी हैं। इसे आतंकित करना... वह अपनी सत्ता और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और विपक्षी पार्टियों को गाली दे रहे हैं, बदनमा कर रहे हैं।' कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भाजपा कार्यालय का 'एक्सटेंशन' बन गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों को राजनीतिक लोगों को डराने-धमकाने के औजार के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। खरगे ने महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री पर यह दावा करके जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया कि विपक्ष ने महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने दिया। उन्होंने तर्क दिया, अगर वह सच में इसे लागू करना चाहते हैं, तो वह मौजूदा 543 लोकसभा सीटों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दे सकते हैं। वह इसे क्यों नहीं दे रहे हैं?

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम दिन जोरदार प्रचार अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार को थम जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, अन्नाद्रमुक के महासचिव पलानीस्वामी और उपमुख्यमंत्री के बेटे उदयनिधि ने राज्य भर में रौड शो किए और अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया।

हालांकि विकास, केंद्रीय निधि आवंटन, परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों जैसे मुद्दे लागू एक महीने तक जारी रोमांचक चुनाव अभियान में हावी रहे, व्यक्तिगत हमलों के अलावा, चुनाव की तारीख की उलटी गिनती के दौरान परिसीमन प्रक्रिया में प्रमुख स्थान ले लिया। राज्य में 'द्रमुक नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' और अन्नाद्रमुक नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, दोनों शक्तिशाली गठबंधन एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे मुकाबला दिलचस्प होने के आसार हैं। द्रमुक 234 सीटों में से 164 सीटों पर चुनाव

लड़ रही है और उसके सहयोगी 70 सीटों पर मैदान में हैं, वहीं अन्नाद्रमुक 169 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और उसके सहयोगी 65 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार चुनाव और दिलचस्प हैं क्योंकि अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली नवगठित पार्टी तमिलनाडु वेत्री कणम सभी निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रही है। सत्तारूढ़ द्रमुक ने मकल नीधि मयम पार्टी के प्रमुख अभिनेता-राजनेता कमल हासन को विजय के खिलाफ प्रचार में उतारा है। विजय पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं।

न्यू तिनसुकिया के लिए स्पेशल ट्रेन कल

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे से प्राप्त विज्ञापित के अनुसार दक्षिण पश्चिम रेलवे ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए ट्रेन नंबर 07325/07326 हबबल्ली-न्यू तिनसुकिया-हबबल्ली एक्सप्रेस स्पेशल, जोलारपेट्टई, काटपाडी के माध्यम से चलाई जा रही है। ट्रेन संख्या 07325 हबबल्ली - न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस स्पेशल 23 अप्रैल गुरुवार को 11.45 बजे हबबल्ली से प्रस्थान करेगी और चौथे दिन 14.30 बजे न्यू तिनसुकिया पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07326 न्यू तिनसुकिया - हबबल्ली एक्सप्रेस



स्पेशल 27 अप्रैल, सोमवार को रात 10 बजे न्यू तिनसुकिया से प्रस्थान करेगी और चौथे दिन रात 11 बजे हबबल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में 1 एसी टू टियर कोच, 6 एसी थ्री टियर कोच, 7 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच, 1 सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 लगेज कम ब्रेक वैन होगी।

राजग से सतर्क रहें, सत्ता में आने पर स्टालिन के सारे अच्छे काम पर पानी फेर देगा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को तमिलनाडु के लोगों से राजग से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि अगर गलती से भी वे उसे सत्ता में लाते हैं तो वे द्रमुक प्रमुख

एम.के. स्टालिन के सारे अच्छे काम पर पानी फेर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार की तरह ही तमिलनाडु में भी अपना मुख्यमंत्री खुद चुनेगा। केजरीवाल ने गुजरात में भाजपा के शासन की आलोचना करते हुए कहा कि 30 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद पार्टी सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों की

हालत में कोई सुधार नहीं कर पाई है। उन्होंने दावा किया, 'यहां इतना भ्रष्टाचार है...जहां भी भाजपा ने शासन किया, राज्य बर्बाद हो गया।' दिल्ली के अपने अनुभव का हवाला देते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आम आदमी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार के सभी अच्छे काम को खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पिछले साल दिल्ली में लोगों ने भाजपा को वोट दिया था



और अब वे भाजपा सरकार से आजिज आ चुके हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, सड़क, पानी-बिजली के क्षेत्र में हमने जो भी अच्छा काम किया था, उसे भाजपा ने बर्बाद कर दिया है।' इसलिए, अगर लोग गलती से भी भाजपा, राजग या अन्नाद्रमुक को वोट देते हैं, तो मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा पिछले पांच वर्षों में किये गए सारे अच्छे काम पर

पल भर में पानी फेर दिया जाएगा। केजरीवाल यहां सत्तारूढ़ द्रमुक और उसके सहयोगियों के लिए अपने दो दिवसीय चुनाव प्रचार के समापन पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'आप भाजपा एक भी सीट जीत जाती है - मुझे यकीन है कि लोग राजग, अन्नाद्रमुक या भाजपा में से किसी को भी वोट नहीं देंगे - लेकिन मान लीजिए कि अगर वे जीत जाते हैं,

सैंद्धांतिक रूप से अगर वे एक सीट जीत जाते हैं, तो वे बिहार की तरह अपना मुख्यमंत्री चुन लेंगे।' द्रमुक पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों के जवाब में, केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को पहले अपनी पार्टी को देखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'केंद्रीय मंत्री अमित शाह का बेटा क्या कर रहा है? केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का बेटा क्या कर रहा है?'



केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम मंगलवार को भरतपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित 43वीं सारस गणना कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि पिछले 43 वर्षों से सारस गणना का यह सतत कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि भरतपुर, राजस्थान और देश की राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी अध्यक्ष एड. कृष्ण कुमार अरोड़ा को बधाई देते हुए कहा कि वर्षों से पक्षियों एवं वन्यजीवों की इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा रहा है, जो हमारी संस्कृति,

परंपरा और इतिहास को सहेजने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे न केवल प्रकृति का संरक्षण होता है, बल्कि मानव जीवन का संतुलन भी बना रहता है।

राज्यमंत्री ने कहा कि यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि साइबेरियन सारस की संख्या में कमी एक गंभीर विषय है, जिसका मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम वर्षा और जल की कमी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। केवलादेव घना पक्षी विहार के साथ-साथ बंध बाँध, डीम जल महल, धार्मिक स्थलों एवं अन्य धरोहरों को देखने देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को गाइड, होटल और टैक्सी जैसी सेवाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वैर के सफेद महल एवं फुलवाडी के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के कार्य जारी हैं, वहीं बंध बाँध में बायोलाजिकल पार्क

एवं नगर वन विकसित किए जा रहे हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भरतपुर के समग्र विकास हेतु अनेक परियोजनाएँ प्रगतिरत हैं। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण प्रगतिरत है। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण प्रगतिरत है। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण प्रगतिरत है।

इस अवसर पर राज्यमंत्री ने डॉ. एमएम त्रिगुणायत एवं डॉ. कृतिता त्रिगुणायत द्वारा लिखित पुस्तक पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के उपरान्त राज्यमंत्री ने सारस के नवजात चूजों को देखा तथा उनकी देखभाल के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डीएफओ चेतन कुमार शीवी ने बताया कि 43वीं सारस गणना रिपोर्ट घना पक्षी विहार में डीम जिले के वेदलेख क्षेत्र में 79 से बढ़कर 81 हो गई है।



पंच गौरव संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए जनभागीदारी आवश्यक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले में चिन्मिता पंच-गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को लेकर मंगलवार को कलेक्टर सभागार में जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने कहा कि पंच-गौरव केवल धरोहर संरक्षण के प्रयत्न नहीं, बल्कि यह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक गौरव एवं भावी पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रशासन, शिक्षा, उद्योगिता एवं आवाशकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सभी राजकीय कार्यालयों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पंच-गौरव का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं ताकि युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक

एवं सामाजिक धरोहरों के प्रति जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित हो।

जिला कलेक्टर ने एक जिला एक खेल कबड्डी के विकास के लिए जिला खेल अधिकारी को जिले के गाँव-गाँव में खिलाड़ी एवं कोच तैयार करने के, ब्लॉक स्तर पर कबड्डी खेल को बढ़ावा देने के लिए इंडोर स्टेडियम बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्व पर्यटन के क्षेत्र में प्रमुख स्थान रखने वाले जयपुर के आमेर किले के विकास एवं पर्यटकों के लिए बेहतरीन सुविधाएँ सुनिश्चित करने और आमेर किले में बेहतर साफ-सफाई, शौचालय निर्माण, पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगवाने, साइनेज लगवाने के साथ-साथ रास्ते में आने वाली झाड़ियों को हटाने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने एक जिला एक उपज ऑयला के विकास के लिए आमजन को इसके आयुर्वेदिक गुणों की जानकारी के संबंध में अग्रगत करवाने के लिए संबंधित विभाग को इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा है। वहीं उन्होंने एक जिला एक वनस्पति लिसोडा के पौधों के

मुख्य सचिव ने रिफाइनरी में आग को लेकर एचपीसीएल के अधिकारियों के साथ चर्चा की

जोधपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने पंचपरदरा स्थित तेल रिफाइनरी में आग लगने की घटना के संबंध में मंगलवार को सुबह एचपीसीएल कंपनी के अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्य सचिव ने बताया कि उन्होंने सुबह एचपीसीएल के चेयरमैन से बात की और स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने जोधपुर में पत्रकारों से कहा, कल की घटना के संबंध में आज रिफाइनरी में एक बैठक में विस्तृत चर्चा की जाएगी। रिफाइनरी के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने जोधपुर में अधिकारियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री भजनलाल का भी आज रिफाइनरी का दौरा करने और वहाँ अधिकारियों के साथ बैठक करने का कार्यक्रम है।

वी. श्रीनिवास पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं और मंगलवार सुबह अधिकारियों की एक टीम के साथ वह जोधपुर सफ्टिक हाउस से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए श्रीनिवास ने कहा कि वह मौके पर जाकर स्थिति की समीक्षा करेंगे और संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और इसके हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रही है।

तकनीकी कारणों से टला रिफाइनरी लोकार्पण : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को बालोतरा जिले में आयोजित प्रेस वार्ता में रिफाइनरी से जुड़ी अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से होना था, जिसे तकनीकी कारणों के चलते टालना पड़ा। पटेल ने बताया कि दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज की समस्या सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलते ही तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर, लगभग



2:45 बजे तक स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को रिफाइनरी पहुंचकर तकनीकी व्यवस्थाओं व सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया।

हिस्से तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही रिफाइनरी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कमर्शियल उत्पादन शुरू कर देगी।

साथ ही प्रशासन और तकनीकी टीमों लगातार निगरानी बनाए हुए हैं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह रिफाइनरी क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

राजस्थान में अनेक जगह 'ऊष्ण लहर' चलने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी का दौर जारी है और अनेक जगह अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से अनेक जगह ऊष्ण लहर चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान कोटा में 42.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर, उदयपुर, जोधपुर व बीकानेर सहित अनेक जगह अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा।

केंद्र के अनुसार, अगले दो दिन तक राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा। 23 अप्रैल से राज्य के गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनू, भरतपुर व धौलपुर सहित कई जिलों में ऊष्ण लहर (हीट वेव) चलने का 'वेलो अलर्ट' है। राज्य में पड़ रही तेज गर्मी से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। दोपहर में सड़कों व बाजारों में सत्राटा छा जाता है और लोग जरूरी काम के लिए ही बाहर निकलते हैं।



महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजस्थान प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न तो हतोत्साहित हैं और न ही उनके आत्मविश्वास में कोई कमी आई है।

उन्होंने यहां पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं

को शीघ्र आरक्षण देने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक लेकर आए तो कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों ने इसके रास्ते में हर प्रकार के रोड़े अटकाए। उन्होंने षडयंत्रपूर्वक यह सुनिश्चित किया कि हम इस संशोधन विधेयक को पारित न करवा पाएँ।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री न तो इससे हतोत्साहित हुए हैं, न उनके चेहरे पर शिकन है, न ही उनके आत्मविश्वास में कोई कमी है। अग्रवाल के अनुसार, हमने तय किया है कि महिलाओं को आरक्षण देना हमारा सैद्धांतिक विषय है। हम यह मानते हैं कि देश के विकास की कल्पना और देश की प्रगति राजनीति की कल्पना महिलाओं के सहयोग के बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस

पार्टी व उसके सहयोगी चाहे कितने भी अवरोध पैदा करें हम जल्दी से जल्दी लोकसभा व विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण को लागू करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द से जल्द महिला आरक्षण को व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने भाजपा विरोधी दलों के इस रुख को महिला विरोधी बताते हुए उसकी निंदा की और कहा कि महिला आरक्षण के विरोध में विपक्ष का इस तरह खुलकर सामने आना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएँ जागरूक और सजग हैं तथा वे विपक्ष का वास्तविक चेहरा समझ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि समय आने पर महिलाएँ इसका उचित जवाब देंगी।

'महिला-विरोधी' भाजपा सरकार ने जान-बूझकर महिलाओं के लिए आरक्षण में देरी की : अलका लांबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र की महिला-विरोधी भारतीय जनता पार्टी सरकार ने जान-बूझकर महिलाओं के लिए आरक्षण का कानून लागू करने में देरी की। लांबा ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण कानून सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित हो गया लेकिन सरकार लगभग 30 महीनों तक इस कानून को अधिसूचित करने में नाकाम रही। उन्होंने यहां कांग्रेस दफ्तर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, केंद्र

सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावों के बीच में संसद की विशेष बैठक बुलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, यह महिलाओं के लिए आरक्षण के बारे में नहीं था। वह विधेयक को पहले ही पारित हो चुका है। सरकार जो लाई वह परिसीमन से सम्बद्ध है लेकिन उसे इस तरह से पेश किया गया जिससे भ्रम पैदा हो। लांबा ने कहा कि विपक्ष ने विशेष बैठक से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की लेकिन सरकार ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया। उन्होंने विशेष बैठक के समय पर भी हस्ता उठाते हुए कहा कि संसद के कई सदस्य चुनावों के लिए प्रचार में व्यस्त थे। उन्होंने कहा, यह बैठक



दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद या मॉनसून सत्र के दौरान भी की जा सकती थी। उन राज्यों के सांसदों की आवाज भी सुनी जानी चाहिए जहां चुनाव हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

'राष्ट्र के नाम संबोधन' की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह राजनीतिक था और उन्होंने इसमें केवल विपक्ष को कोसा।

लांबा ने मांग की कि मौजूदा लोकसभा की मौजूदा 534 सीट में ही 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने दवाव किया कि एकजुट विपक्ष ने सरकार को अपना एजेंडा आगे बढ़ाने से रोक दिया। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए दवाव बनाना जारी रखेंगे कि यह कानून जल्द से जल्द लागू हो। लांबा ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण के मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी और हस्ताक्षर अभियान चलकर मानसून सत्र में भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपेगी।



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का पहला राजस्थान दौरा : 27 को टोंक में हाईटेक कार्यालय का करेंगे उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने कार्यकाल के पहले राजस्थान प्रवास की शुरुआत टोंक जिले से करेंगे। आगामी 27 अप्रैल को प्रस्तावित इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान वे टोंक में भाजपा के नवनिर्मित हाईटेक जिला कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और बूथ

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की भव्यता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने जिला कार्यालय में वलस्टर्ड प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की और जिम्मेदारियों सौंपी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के

बाद नितिन नबीन का यह पहला राजस्थान दौरा है, जिसे ऐतिहासिक बनाया हर कार्यकर्ता का लक्ष्य होना चाहिए। चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यालय के उद्घाटन के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने राजस्थान दौरे की शुरुआत के लिए टोंक को चुना है।

राजस्थान रिफाइनरी में आग से वित्तीय, परिचालन प्रदर्शन पर असर नहीं : एचपीसीएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी एचपीसीएल ने मंगलवार को कहा कि नवनिर्मित राजस्थान रिफाइनरी में आग लगने से वित्तीय या परिचालन प्रदर्शन पर कोई बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है और सभी इकाइयों संरचनात्मक रूप से सुरक्षित हैं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन

लिमिटेड (एचपीसीएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 20 अप्रैल को कच्चे तेल की डिस्टिलेशन इकाई में आग लग गई थी। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला है कि हीट एक्सचेंजर सफ्टिक में किसी वाल्व या फ्लैज से हाइड्रोकार्बन का रिसाव होने से यह हादसा हुआ।

एचपीसीएल के मुताबिक, आग हीट एक्सचेंजर तक ही सीमित रही और वहां मौजूद आपातकालीन टीम ने जल्द ही इस पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हाताहत होने

या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि एहतियात के तौर पर कच्चा तेल डिस्टिलेशन इकाई, वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनित (वीडीयू) और उससे जुड़े अन्य हिस्सों को अलग कर दिया गया। कंपनी ने कहा कि रिफाइनरी के किसी अन्य हिस्से पर इस घटना का असर नहीं पड़ा है।

एचपीसीएल ने बताया कि घटना के कारणों की जांच के लिए आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों की एक टीम गठित की गई है और जरूरी सुधारत्मक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री आज जारी करेंगे 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की छठी किश्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य के 66 लाख से अधिक किसानों को बुधवार को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की छठी किश्त के रूप में 665 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जोधपुर के आसियान में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा योजना की किश्त जारी करेंगे। दक ने बताया कि इस अवसर पर जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर भी कृषि विभाग के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कृषकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उत्खेनीय है कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अब तक 5 किश्तों के माध्यम से प्रदेश के 71 लाख से अधिक किसान परिवारों को 2726 करोड़ रुपये से अधिक की धन राशि डीडी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है। साथ ही, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 6 किश्तों में 9583 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। सहकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू कर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के समरत पात्र किसानों को तीन समान किश्तों में 3000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही है। राज्य में अब योजना के पात्र किसानों को 9000 रुपये प्रति वर्ष सम्मान निधि के रूप में मिल रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



राष्ट्रपति मुर्मू ने राउरकेला में 158 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राउरकेला/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राउरकेला में लगभग 158 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में एक तारमंडल और विज्ञान केंद्र, निर्मल मुंडा परिवेश पथ, एकीकृत कमान

और नियंत्रण केंद्र, एक जनजातीय संग्रहालय और एक मनोरंजन पार्क शामिल हैं। स्टील सिटी कहलाने वाले राउरकेला की एक दिवसीय यात्रा पर आई मुर्मू का झारखण्ड स्थित वीर सुरेंद्र साई (वीएसएस) हवाई अड्डे पर राज्यपाल हरि बाबू कभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्वागत किया। राउरकेला पहुंचने पर राष्ट्रपति ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग

लिया और छात्रों से बातचीत की। जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम भी इस अवसर पर उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर राउरकेला और पास के झारखण्ड जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि झारखण्ड प्रशासन ने पूरे जिले में 'नो-फ्लाई जोन' और 'नो-ड्रोन जोन' लागू कर दिया है।

महिला आरक्षण की पैरोकारी करने के चलते

प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द कह रही कांग्रेस : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'आतंकवादी' कहे जाने की निंदा करते हुए कहा कि यह मुख्य विपक्षी दल की मानसिकता को दर्शाता है और जनता उन्हें मुहोलाज्जब देगी। सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि खरगे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इशारे पर मोदी के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी की है क्योंकि प्रधानमंत्री लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत



आरक्षण देना चाहते हैं। भाजपा की प्रतिक्रिया उस वक्त आई, जब खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर विपक्ष को दबाने के लिए सरकारी तंत्र और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर राजनीतिक दलों और लोगों को आतंकित करने का आरोप लगाया। खरगे की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा,

'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया, वह न केवल निंदनीय है, बल्कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को भी दर्शाता है। खरगे ने उन्हें आतंकवादी कहा।' पात्रा ने खरगे के स्पष्टीकरण को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने राहुल गांधी के इशारे पर जानबूझकर प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा। भाजपा सांसद ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'यह जुबान फिसलने का मामला नहीं है। यह जानबूझकर किया गया है। चाहे वह कोई भी स्पष्टीकरण दे रहे हों, यह कांग्रेस की सोची-समझी साजिश है।'

सांसद में महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर

सांसद पप्पू यादव धिरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सांसद में महिला आरक्षण के मुद्दे महिलाओं को लेकर विवादित टिप्पणी करने के चलते मंगलवार को मंगलाचलाओं के घरे में आ गए।



पुर्णिया सांसद पप्पू यादव की राजनीति में महिलाओं को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने उनकी आलोचना की है, जिसमें शहजाद पूनावाला और तुहिन सिन्हा शामिल हैं। पूनावाला ने सोशल मीडिया

रांची में श्रमिकों ने

बकाया वेतन को लेकर प्रदर्शन किया

रांची/भाषा। झारखंड की राजधानी रांची में वस्त्र निर्यात करने वाली एक कंपनी के एक हजार से अधिक श्रमिकों ने मंगलवार को वेतन भुगतान में देरी को लेकर फेक्टरी के द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर महिला श्रमिक शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन के कारण खेलगांव-टाटीसिलवे मार्ग पर करीब चार घंटे तक यातायात बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों में शामिल एक महिला श्रमिक, ज्योति देवी ने आरोप लगाया कि उन्हें फरवरी और मार्च महीने का वेतन नहीं मिला है। उन्होंने कहा, अप्रैल में मुझे दो किरतों में केवल 1,500 रुपए मिले, जबकि कंपनी में हमारा वेतन तय है। जब हमने भुगतान के संबंध में प्रबंधन से संपर्क किया, तो उन्होंने केवल आश्वासन दिया लेकिन वास्तव में यह कुछ नहीं कर रहे हैं।

मणिपुर : बंद के आह्वान को लेकर दो आदिवासी समुदायों में झड़प

इंफाल/भाषा। मणिपुर के सेनापति और उससे सटे कांगपोकपी जिलों की सीमाओं पर मंगलवार को एक नागरिक समाज संगठन द्वारा आहूत बंद को लेकर दो आदिवासी समुदायों के प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि उखरुल जिले में 18 अप्रैल को दो लोगों की हत्या के विरोध में 'यूनाइटेड नगा कारंजिसिल' द्वारा आहूत तीन दिवसीय बंद लागू करने के लिए नगा कार्यकर्ताओं द्वारा की गई नाकाबंदी को स्थानीय पुलिस द्वारा हटाने का प्रयास करने के बाद झड़प हुई। एक अधिकारी ने बताया कि चांगोंबुंग कुकी गांव के ग्रामीणों के शामिल होने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ।

क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं है : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को शबरिमला अय्याम मंदिर के मुख्य पुजारी से पूजा कि क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं है। शीर्ष न्यायालय की यह टिप्पणी मुख्य पुजारी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जब कोई श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर जाता है तो वह किसी देवता की विशेषताओं के विरोध में नहीं हो सकता। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं

के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न आस्थाओं को मानने वाले लोगों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। पीठ में प्रधान न्यायाधीश सुर्यकांत और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायाधीश एमएम सुंदरेश, = य । य । श । अ ह स । न । डी । न अमानुल्ला, न्यायाधीश अरविंद कुमार, न्यायाधीश ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह, न्यायाधीश प्रसन्ना जी वराले, न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायाधीश जयमाल्या बागवी शामिल हैं। 'तंत्र' की ओर से पेश वरिष्ठ

अध्ययता वी. गिरि ने कहा कि किसी भी मंदिर में संपन्न होने वाले समारोहों और अनुष्ठानों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग है और इसलिए यह एक धार्मिक प्रथा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथा का जारी रहना, जो एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का एक हिस्सा होगा जो धर्म या धार्मिक संप्रदाय में विश्वास रखने वाले प्रत्येक सदस्य के लिए है। गिरि ने कहा, 'जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता के गुणों के विरुद्ध नहीं जा सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य देवता की पूजा करना है। भक्त देवता में निहित दिव्य ओज के प्रति

सम्पन्न करता है। उसे देवता के मूल गुणों को स्वीकार करना होता है।' न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने प्रश्न किया, 'जब मैं किसी मंदिर में जाता हूँ, तो मेरी मूल मान्यता यह होती है कि वह भगवान है, वह मेरा सृष्टिकर्ता है, उसने मुझे बनाया है, है ना?' न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने कहा, 'मैं वहां शत प्रतिशत आस्था के साथ जाता हूँ। मैं पूरी तरह समर्पित हूँ, मेरे हृदय में कोई अशुद्धता नहीं है। और वहां मुझे बताया जाता है कि जन्म, वंश या किसी विशेष परिस्थिति के कारण, आपको देवता को छूने की अनुमति नहीं है। अब, क्या संविधान मेरी मदद नहीं करेगा?' उन्होंने कहा कि सृष्टिकर्ता और सृष्टि में कोई अंतर नहीं हो सकता।

सपा और कांग्रेस की सोच मेंढक जैसी, अगर कूदेंगे तो नाले में ही गिरेंगे : गुलाब देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों की सोच मेंढक जैसी है और अगर वे कूदेंगे, तो नाले में ही गिरेंगे। गुलाब देवी ने यह टिप्पणी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' के दौरान की। उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी दलों पर पिछले हफ्ते लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित



आक्रोश पंचायतों से लेकर विधानसभाओं और संसद तक दिखना चाहिए। उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि जब यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका, तो कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और सपा सांसद डिंपल यादव ने खुशी में मेज थपथपाई थी। उन्होंने महिलाओं से इस अपमान का बदला लेने का आह्वान किया। वहीं, पूर्व भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए यह विधेयक पेश किया था, लेकिन विपक्ष ने अपनी महिला-विरोधी मानसिकता के कारण इसका विरोध किया। उन्होंने महिलाओं से एकजुट होने और विपक्ष को अपनी ताकत दिखाने का आग्रह किया।

कोई नहीं चाहता कि बंगाल में भाजपा सरकार बनाए : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हल्द्विया (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आणी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्द्विया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आए। उन्होंने कहा, 'भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।'

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह पिछले एक महीने से पश्चिम बंगाल का गहन दौरा कर रही हैं और इस अवधि में 'मैं समझ गई कि जनता क्या चाहती है, यह साफ है कि कोई भी भाजपा को नहीं चाहता।' तृणमूल कांग्रेस सरकार पर लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आणी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्द्विया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आए। उन्होंने कहा, 'भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।'

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह पिछले एक महीने से पश्चिम बंगाल का गहन दौरा कर रही हैं और इस अवधि में 'मैं समझ गई कि जनता क्या चाहती है, यह साफ है कि कोई भी भाजपा को नहीं चाहता।' तृणमूल कांग्रेस सरकार पर लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आणी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्द्विया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आए। उन्होंने कहा, 'भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।'

महिला विरोधी है विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन: पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मंगलवार को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को महिला विरोधी गठबंधन करार दिया और कहा कि उसे इसके परिणाम 2027 के राज्य विधानसभा चुनाव में भुगतने होंगे। महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाकर 816 करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा लाया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पिछले शुक्रवार को निचले सदन में पारित नहीं हो पाने के बाद चौधरी की यह टिप्पणी आयी है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश विधान भवन के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, नारी का उन्मूलन व सम्मान, भाजपा की यही पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

नारी सशक्तीकरण के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है।' उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति यंदन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य देश की माताओं और बहनों को नेतृत्व का अधिकार देना है, ताकि लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीट पर महिलाएं चुना लड़ सकें और नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस सहित विपक्ष ने इसमें बाधा डली।' उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों ने कहा कि इससे उत्तर और दक्षिण भारत में भेद उत्पन्न हो जाएगा। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि मुस्लिम महिलाओं का आरक्षण भी होना चाहिए। हमारे नेताओं ने सदन में इन सभी आपत्तियों का विचार से जवाब दिया।' उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जहां एक तरफ महिलाओं का सम्मान और सशक्तीकरण की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ नकाब और वोट बैंक के चक्कर में उन्होंने 20 प्रतिशत अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर 80 प्रतिशत बहुसंख्यक महिलाओं के हितों को ठेस पहुंचाने का काम किया

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर उतारे लड़ाकू विमान

22 अप्रैल को होगा वायुसेना का युद्धभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर वायुसेना के युद्धभ्यास की तैयारियों के तहत मंगलवार दोपहर लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनायी दी। इस दौरान आठ लड़ाकू विमान पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर उतरे।



उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (पूपीडा) के परियोजना प्रबंधक इमरान ने बताया कि बुधवार को होने वाले वायुसेना के युद्धभ्यास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से की जा रही तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर उतारे। उन्होंने बताया कि इस दौरान विभिन्न प्रकार के आधुनिक लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे और उतरेंगे। उन्होंने बताया कि इस

युद्धभ्यास में सुखोई, मिराज, तेजस और जगुआर जैसे विमान करतब दिखाएंगे। पूरबीडा के परियोजना प्रबंधक ने बताया कि सुलतानपुर जिले के जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह और पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने भी हवाई पट्टी पर पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर कई बारा उड़ान भरेंगे और इस दौरान सुरक्षा के लिए आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई।

शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे पायदान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अर्धशतक की बढौलत आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गई। शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे श्रृंखला में यह 0-2 से पिछड़ गया। भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था।



भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकामलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे।

महिला विश्व कप की स्टा र खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं। यह श्रृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए हानि से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

घुसपैटियों को बचा रही हैं ममता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शालबनी (प. बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 'घुसपैटियों को संरक्षण', और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दे रही हैं तथा राज्य में बाबरी मस्जिद के समान मस्जिद बनाने के प्रयासों का समर्थन कर रही हैं, जिसे भाजपा किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगी। शाह ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी में चुनाव के पहले चरण से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए इस चुनावी मुकामलों को सीधे भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच वैचारिक लड़ाई के रूप में पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 'घुसपैट



और भ्रष्टाचार से पश्चिम बंगाल को मुक्त करने' का लेक है। उन्होंने कहा, 'ममता दीदी घुसपैटियों को बचाना चाहती हैं। लेकिन मैं आपसे कह रहा हूँ, 23 अप्रैल को ईडीएम पर कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) का बटन दबाइए और भाजपा की सरकार बंगाल से हर घुसपैटिये को बाहर निकाल देंगी।' केंद्रीय गृह मंत्री ने बंगाल की राजनीति में भाईपों संस्कृति पर

अपना हमला और तेज किया तथा ममता बनर्जी के भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'ममता जी अपने भतीजे को बंगाल का मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। वे यह कहकर लोगों को गुमराह कर रही हैं कि अगर भाजपा जीतती है तो कोई बाहरी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा।'

शाह ने कहा, 'मैं आपको आश्चर्य करता हूँ कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा, जो बंगाल में जन्मा और पला-बढ़ा होगा और बांग्ला बोलेगा। निश्चित रूप से वह 'भाईपों' नहीं होगा, वह भाजपा का कार्यकर्ता होगा। भाईपों संस्कृति एक राजनीतिक शब्द है, जिसका इस्तेमाल खासकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में होता है। इसमें भाईपों

का अर्थ भतीजा होता है। सत्तारूढ़ तृणमूल पर अपना हमला तेज करते हुए शाह ने तृणमूल से निर्लेखित विधायक एवं 'आम जनता उन्नयन पार्टी' के संस्थापक हुमायूँ कबीर का उल्लेख किया और उनपर राज्य में बाबरी मस्जिद का मुद्दा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने 'जय श्रीराम' के नारों के बीच कहा, मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) जी ने अयोध्या में राम मंदिर बनाया। पांच सौ पचास वर्षों तक इन लोगों ने राम मंदिर बनने नहीं दिया। यह (मंदिर) वहीं बना जहां कभी बाबरी मस्जिद थी। अब ममता दीदी अपने सहयोगी हुमायूँ कबीर के जरिये बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाना चाहती हैं। शाह ने कहा, 'दीदी, ध्यान से सुन लीजिए। पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है और हम किसी को भी पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं देंगे।'

सुविचार

राह संघर्ष की जो चलता है, वही संसार को बदलता है, जिसने रातों से जंग जीती है, सूर्य बनकर वही निकलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जादू की छड़ी नहीं एआई

गैलप और कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के अध्ययन में विद्यार्थियों द्वारा एआई टूल के इस्तेमाल को लेकर जो निष्कर्ष साझा किए गए हैं, वे चिंताजनक हैं। अभी दुनियाभर में एआई के चर्चे हैं। इसे जादू की ऐसी छड़ी की तरह पेश किया जा रहा है, जिसके पास हर सवाल का जवाब है। ये जवाब कितने सही हैं? इनका आधार क्या है? इस पर अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी जा रही है। हर काम, खासकर पढ़ाई में एआई टूल का जबरन से ज्यादा इस्तेमाल करने में कई खोखिले हैं। उक्त अध्ययन के इन निष्कर्षों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता कि एआई टूल पर ज्यादा निर्भरता मौलिक बुद्धि पर नकारात्मक असर डाल सकती है। कई बच्चे इनके इतने आदी हो चुके हैं कि ज्यादातर विषयों के गृहकार्य एआई टूल से पूछकर करते हैं। गणित का कोई सवाल हो, विज्ञान का कोई प्रयोग हो, अंग्रेजी या हिंदी में कोई निबंध लिखना हो, वे एआई टूल से पूछकर हबूहू लिख देते हैं। वे कुछ भी सोचना-समझना नहीं चाहते। उनका काम आसानी से हो रहा है। उन्हें बहुत कम मेहनत करनी पड़ रही है। बस, यह उनके लिए काफी है। माता-पिता भी यह सोचकर खुश हैं कि बच्चे जो कुछ जानना-पूछना चाहते हैं, वह सब आसानी से उपलब्ध है। इन बच्चों को अभी तो फायदे दिखाई दे रहे हैं, लेकिन लंबी अवधि में इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि सोचने-समझने और तर्क करने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। किसी सवाल का जवाब सोचने और लिखने से बौद्धिक विकास होता है। इससे तर्क क्षमता बढ़ती है।

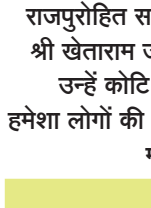
आगर बच्चे हर सवाल का जवाब एआई से पूछकर लिखेंगे तो उनका बौद्धिक विकास कैसे होगा और तर्क क्षमता कैसे बढ़ेगी? कई बार एआई टूल गलत जानकारी देते हैं। विद्यार्थी उस पर आंखें मूंदकर विश्वास करते हैं। जब शिक्षक बताते हैं कि यह गलत है तो उन्हें आश्चर्य होता है कि एआई टूल भी गलती कर सकते हैं। हां, एआई टूल गलती कर सकते हैं और कई बार बड़ी गलती कर सकते हैं। एक विद्यार्थी को किसी कविता की व्याख्या लिखनी थी। उसने पृष्ठ की फोटो खींचकर एआई टूल को भेज दी। एआई ने व्याख्या तो काफी हद तक सही लिखी, लेकिन कवि का नाम गलत लिखा। हाल में उद्य न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में दायर ऐसी याचिकाएं चर्चा में रहीं, जिन्हें पढ़कर न्यायाधीशों ने याचिकाकर्ताओं को फटकार लगाई। उनमें देरों गलतियां थीं। अगर एआई टूल लगातार गलत जानकारी देते रहेंगे और विद्यार्थी उन पर विश्वास करते रहेंगे तो उनका भविष्य क्या होगा? वे तो गलत को ही सही मान लेंगे। अरसी और नब्बे के दशक में स्कूली विद्यार्थियों के बीच कुंजियां बहुत लोकप्रिय होती थीं। उन्हें पढ़ना प्रशंसनीय तो नहीं माना जाता था, लेकिन विद्यार्थियों को काफी सुविधा हो जाती थी। उन्हें सवालों के जवाब आसानी से मिल जाते थे। कई विद्यार्थी गृहकार्य में कुंजी का जवाब हबूहू उतार देते थे। कुछ कुंजियों में जवाब की जगह लिखा होता था - 'छात्र स्वयं करें'। कई कुंजीप्रेमी छात्र जवाब में यही लिख देते थे। उन्हें लगता था कि जो कुछ कुंजी में लिखा है, वही सही है और हमारे लिए काफी है। शिक्षक उनकी गलती पकड़ लेते थे। जब पकड़ाच होतो तो वे दावा करते थे कि कुंजी से नहीं, अपनी बुद्धि से लिखा है। हालांकि बाद में गलती स्वीकार कर लेते थे। पढ़ाई में एआई टूल का इस्तेमाल पूरी तरह बंद नहीं करना चाहिए। इनके कुछ फायदे हैं, जिनसे विद्यार्थियों को वंचित करना उचित नहीं है। इस्तेमाल की एक सीमा निर्धारित करनी चाहिए, ताकि बच्चों का बौद्धिक विकास अवरुद्ध न हो। एआई पर पूरी तरह निर्भर होने के बजाय इसके साथ संतुलन बनाकर चलने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक



अद्वैत वेदांत की दिव्य ज्योति को फिर से जगाने वाले जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अपनी असाधारण बुद्धि, तर्क और आध्यात्मिकता से उन्होंने न केवल सनातन संस्कृति को एक नया आयाम दिया।

-वसुंधरा राजे



राजपुरोहित समाज के सबसे पूजनीय देवता, परम पूज्य श्री खेतराम जी महाराज की जयंती के अवसर पर, हम उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें हमेशा लोगों की भलाई के लिए समर्पित रहने और सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

-अशोक गहलोत



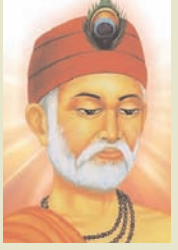
भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त, महान संत और मशहूर कवि सुरदास जी की जयंती पर, मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ। अष्टछाप के शानदार कवि सुरदास जी के पद, जिन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से भगवान के मनमोहक बाल रूप का वर्णन किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

भक्ति और संदेश

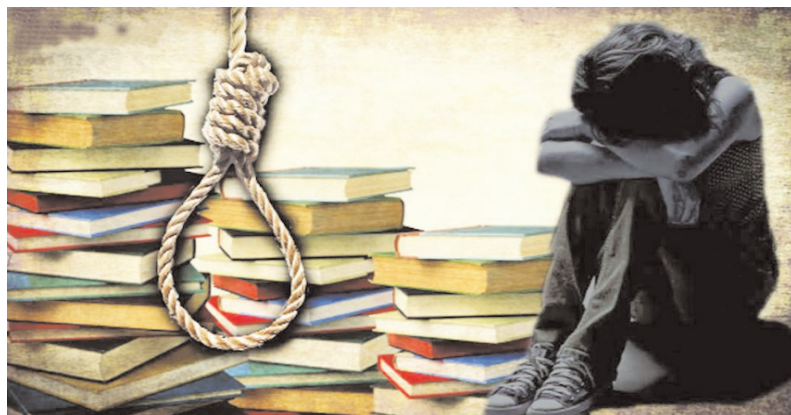
एक बार संत कबीर गंगा किनारे टहल रहे थे। उन्होंने देखा कि एक पपीहा प्यास से परेशान होकर नदी में गिर पड़ा। पपीहा स्वाति नक्षत्र की बूंद के सिवा दूसरा पानी नहीं पीता। उसके आसपास कितने ही समुद्र, कुएं, तालाब और नदियां भरी पड़ीं हैं, वह प्यास मर जायेगा लेकिन किसी दूसरे पानी को भूलकर भी नहीं पीयेगा। कबीर और उसके शिष्यों ने देखा कि जोर की गर्मी के बावजूद नदी में गिरे पपीहे ने पानी पीने के लिए अपनी चोंच नहीं खोली। स्वाति नक्षत्र की बूंद के प्रति पपीहे की यह निष्ठा देखकर कबीर ने अपने शिष्यों से कहा कि, जब मैं इस नन्हे से पपीहे की स्वाति बूंद के प्रति यह अटूट भक्ति देखता हूँ कि वह जान देने को तैयार है, पर नदी का पानी पीने को तैयार नहीं तो मुझे समुद्र के प्रति अपनी भक्ति हेय लगने लगती है। यदि हमारे भीतर प्रभु के प्रति पपीहे जैसी तीव्र लालसा हो, तो हम बहुत जल्द उंचे रुहानी मण्डलों में पहुंच सकते हैं।



सामयिक

छात्रों का आत्मघात: सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133



कुछ क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनशीलता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न है। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन परिस्थितियों से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परिचय नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व विन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था का कुछ मूलभूत मुद्दों में यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, वह उस मानसिक संरचना का संकेत है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सचार्इ यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थाओं का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोशिश संस्थानों में बच्चों को

अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा।

भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।

शिक्षा व्यवस्था का बांघा भी इस संकेत के लिए जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद करवाए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं

करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है। विविध है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महत्या होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खोफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेतावना है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं विन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-मूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थायी तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटान द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है।

नजरिया

धधकती धरती : विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकून इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नही बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिक्रिया साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार टंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे



भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक प्रदूषण मुक्त संसार' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकेत के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई

राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता तो एक ओर जहां जंगलों का आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त संसार' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएँ ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक

समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकेत है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।

दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हर संस्थान में प्रभावी काउंसलिंग सिस्टम होना चाहिए, जहां छात्र बिना किसी डर या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे छात्रों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचान सकें और समय रहते उनकी सहायता कर सकें। निश्चिततौर पर समाज की भी अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन अमूल्य है और किसी भी सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां बच्चे बिना किसी भय के अपने सपनों का पीछा कर सकें और असफल होने पर भी सम्मान के साथ जी सकें। यदि हम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह संकेत और गहराता जाएगा। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि हमारे समाज की विफलता का प्रमाण होती है। अब समय आ गया है कि हम इस विफलता को स्वीकार करें और इसे सुधारने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। तभी हम अपने युवाओं को इस आत्मघाती मार्ग से बचा सकेंगे और उन्हें एक उज्वल भविष्य की ओर ले जा सकेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जन्म के सौ वर्ष बाद भी ब्रिटिश राजशाही पर छाया महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का प्रभाव

लंदन/एपी

ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की विरासत उनके जन्म के 100 वर्ष बाद भी राजशाही पर साफ नजर आती है। बकिंगहम पैलेस के सामने स्थित 'कूल ब्रिटनिया' नामक उपहार की दुकान में उनकी तस्वीर वाले मग, तौलिये और की-रिंग की बिक्री अब भी खूब होती है जबकि महारानी चार्ल्स तृतीय से जुड़े उत्पादों की मांग अपेक्षाकृत कम है। दुकान के प्रबंधक इस्माइल इब्राहिम ने बताया कि महारानी से जुड़े उत्पाद आज भी अधिक बिकते हैं। सितंबर 2022 में निधन से पहले, 70 वर्षों तक शासन करने वाली एलिजाबेथ द्वितीय ने युद्ध के बाद कठिन दौर से लेकर कोविड-19 महामारी तक ब्रिटेन को एकजुट रखने में अहम भूमिका निभाई थी। अब भी वही महारानी एलिजाबेथ के निधन के समय ज्यादातर ब्रिटिश नागरिकों ने अपने जीवन में केवल उन्हें ही साम्राज्ञी के रूप में देखा था। आज

भी क्रीन शब्द सुनते ही लोगों के मन में एलिजाबेथ की छवि उभरती है, न कि चार्ल्स की पत्नी क्रीन कैमिली की। हालांकि समय के साथ उनकी विरासत पर कुछ सवाल भी उठे हैं। उनके पुत्र प्रिंस एडवर्ड के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से संबंधों को लेकर विवाद ने सवाल उठाया कि इस मुद्दे को लंबे समय तक क्यों नहीं सुलझाया गया। "आप्टर एलिजाबेथ : कैन द मोनार्की सेव इटसेल्फ?" पुरतक के लेखक एड ओवेन्स ने कहा कि एलिजाबेथ द्वितीय पिछले 100 वर्षों में राजशाही की सबसे महत्वपूर्ण शक्तिशाली रही हैं और उनकी 100वीं जयंती पर स्वाभाविक रूप से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस अवसर पर बकिंगहम पैलेस में समारोह, रीजेंस पार्क में स्मारक उद्यान का उद्घाटन और उनकी वेशभूषा पर प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 21 अप्रैल 1926 को जन्मी एलिजाबेथ को प्रारंभ में सिंहासन का उत्तराधिकारी नहीं माना गया था।

लेकिन 1936 में उनके चाचा किंग एडवर्ड अहम के त्यागपत्र के बाद उनके पिता जॉर्ज षष्ठम राजा बने और एलिजाबेथ उत्तराधिकारी बन गईं। छह फरवरी 1952 को पिता के निधन के बाद 25 वर्ष की आयु में उन्होंने गद्दी संभाली। महारानी ने दशकों तक संसद के उद्घाटन, विदेशी नेताओं के स्वागत और देशभर में हजारों सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने 200 से अधिक विदेशी यात्राएं कर भारत, जर्मनी, जपान और अमेरिका सहित कई देशों के साथ संबंध मजबूत किए। जीवन के अंतिम वर्षों में वह इंटरनेट पर भी लोकप्रिय रहीं, जब उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में अभिनेता डेनियल क्रैग के साथ विशेष प्रस्तुति दी और अपने शासन के 70 वर्ष पूरे होने पर 'पेंडिंग बेयर' के साथ दिखाई दीं। उनकी उपलब्धियों के बावजूद प्रिंस एडवर्ड से जुड़े विवाद को समय रहते नियंत्रित न कर पाना उनकी एक प्रमुख विफलता माना जाता है।



मृणाल ठाकुर ने शेयर किया 'व्याह करवा दो जी' का बीटीएस वीडियो

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह मजेदार कॉमेडी ड्रामा फिल्म एक रोचक लव ट्रायंगल पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'व्याह करवा दो जी' रिलीज हुआ था। सोमवार को अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर गाने का बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। वीडियो की शुरुआत में मृणाल वरुण को डांस सिखाती नजर आती हैं, लेकिन जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, तो इसमें पूरी टीम नजर आने लगती है। विलचस्प बात यह है कि

वीडियो में सलमान खान, डेविड धवन और मनीष पॉल भी नजर आ रहे हैं। मृणाल ने वीडियो को पोस्ट कर लिखा, 'व्याह करवा दो जी' है जवानी तो इश्क होना है। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वही, कुछ यूजर क्रयास लगा रहे हैं कि सलमान खान कैमियो रोल निभाते नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि सलमान खान और डेविड धवन काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। वही, सलमान खान ने डेविड धवन की कई फिल्मों में काम भी किया है। यही कारण है कि सलमान खान और

वरुण धवन के बीच भी अच्छी बॉन्डिंग देखी जाती है। इससे पहले भी सलमान खान ने डेविड धवन की फिल्मों में स्पेशल अपीयरेंस दे चुके हैं। वरुण धवन की यह आने वाली फिल्म 22 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की स्टोरी, गाने और कलाकारों के केमिस्ट्री को देखते हुए दर्शक काफी उत्साहित हैं। कॉमेडी और रोमांस का यह अनोखा मिश्रण पदों पर धमाल मचाने वाला है। गाना 'व्याह करवा दो जी' एक जोरदार पार्टी सॉन्ग है, जिसे मीका सिंह और असीस कौर ने गाया है। इसके बोल वायु ने लिखे हैं, जबकि संगीत व्हाइट नॉइज कलेक्टिव्स ने दिया है।



लॉरेंस ऑफ पंजाब : क्राइम, समाज और सिस्टम के पीछे की कहानी, 27 को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज, अपराध और उसके पीछे छिपे कारणों को समझाने वाली कहानियां भी तेजी से सामने आ रही हैं। इस कड़ी में एक नई डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' चर्चा में है, जो अपराध से जुड़े जीवन और उसके बनने की पूरी प्रक्रिया को समझाने की कोशिश करती है। यह सीरीज दिखाती है कि कैसे समाज, माहौल और सिस्टम मिलकर किसी व्यक्ति की पहचान को आकार देते हैं। इस सीरीज में लॉरेंस विश्वेश को एक उदाहरण के रूप में लिया गया है, ताकि यह समझाया जा सके कि कोई व्यक्ति किन परिस्थितियों में अपराध की दुनिया तक पहुंचता है। कहानी का फोकस सिर्फ उसके जीवन पर नहीं, बल्कि इस बात पर भी है कि छात्र राजनीति, युवावस्था की सोच, संगीत और विचारधारा कैसे धीरे-धीरे एक इंसान की दिशा बदल सकते हैं। इसके साथ ही यह

संवेदनशीलता के साथ बनाया गया है, ताकि यह किसी एक पक्ष की कहानी न लगे। जी5 के हिंदी कंटेंट हेड और चैनल अधिकारी कावेरी दास ने कहा, "आज के दर्शक बदलते समय के साथ ज्यादा गहराई वाली कहानियां देखना चाहते हैं। इसलिए प्लेटफॉर्म अब सिर्फ सतही मनोरंजन नहीं, बल्कि सोचने पर मजबूर करने वाली कहानियां लेकर आ रहा है। इस सीरीज का उद्देश्य किसी अपराधी को बर्बाद देना नहीं है, बल्कि यह समझना है कि ऐसे लोग किस तरह के माहौल में बनते हैं और उनका समाज पर क्या असर पड़ता है।" कावेरी दास ने कहा, "यह कंटेंट दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगा और समाज को समझने का एक नया नजरिया देगा। आज की कहानी सिर्फ घटनाओं की नहीं होती, बल्कि उनके पीछे छिपे कारणों की भी होती है, और यही इस सीरीज की असली ताकत है।" 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' 27 अप्रैल को हिंदी जी5 पर स्ट्रीम होगी।

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म 'द व्हाइट टाइटल', 'खो गए हम कहां' और 'तू या में' में अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुके अभिनेता आदर्श गौरव अब एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर नजर आएंगे। वह रिडले स्कॉट की चर्चित सीरीज 'एलियन: अर्थ' की दूसरी कड़ी में अपनी भूमिका दोहराने के लिए तैयार हैं। 'गैम्स ऑफ थ्रोन्स' के अभिनेता पीटर डिकलेज भी इस कड़ी से जुड़ गए हैं, जिसकी शूटिंग अगले महीने शुरू होने वाली है। पहले सीजन में बेहद सराहे गए अपने प्रदर्शन के बाद आदर्श गौरव एक बार फिर 'स्लाइटली' के किटदार में नजर आएंगे, जो अपनी भावनात्मक गहराई और जटिलता के लिए खास तौर पर जाना जाता है। 'एलियन: अर्थ' ने बेहद कम समय में खुद को वैश्विक स्तर पर एक बड़ी साइंस-फिक्शन सीरीज के रूप में स्थापित कर लिया है और यह 2025 के शीर्ष सीरीज में शुमार हो चुकी है। नोआ हौली द्वारा निर्मित इस सीरीज में रिडले स्कॉट कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़े हैं। दूसरी कड़ी में आदर्श गौरव एक

उद्घाटन



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को ओडिशा के राउरकेला में प्लेनेटेरियम और साइंस सेंटर और निर्मल मुंडा परिवेश पथ के उद्घाटन के दौरान।

एक जैसे किटदार निभाने में कोई मजा नहीं: जयदीप अहलावत

मुंबई/भाषा। अभिनेता

जयदीप अहलावत का कहना है कि वह अपने अभिनय में हमेशा नायक और खलनायक की पारंपरिक छवियों से परे जाने और साधारण चरित्रों को भी परत दर परत खोलने की कोशिश करते हैं। 'गैम्स ऑफ वासेपुर', 'रईस', पाताल लोक, बोकन न्यूज, श्री ऑफ अस, जाने जां और द फेमिली मैन 3 जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अलग पहचान बनाने वाले अहलावत ने कहा कि उनकी एक जैसी भूमिकाएं निभाने में बहुत कम रुचि है। पत्रकार से लेखक बने हुसैन जैदी की नवीनतम पुरतक माफिया क्रीस ऑफ इंडिया के विमोचन के अवसर पर 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में अहलावत ने कहा, मुझे अभी तक कोई साधारण या सपाट किटदार निभाने को नहीं मिला है। मेरा मानना है कि जब किसी चरित्र में कई परतें होती हैं,

तो उसे निभाना एक सतही या एक-आयामी किटदार की तुलना में कहीं अधिक दिलचस्प हो जाता है। इसलिए, यदि किसी किटदार में परतें नहीं होती हैं, तो एक अभिनेता के रूप में मैं उसे विश्वसनीय बनाने के लिए उसमें कुछ तत्व या परतें जोड़ने की कोशिश करता हूँ। पाताल लोक के अभिनेता ने कहा कि उनका दूसरा लक्ष्य अपने किटदारों को विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने कहा, जिस भावना के साथ किटदार लिखा गया है, उसे दर्शकों तक पहुंचाना जरूरी है ताकि कहानी समझ में आए; अन्यथा वह नीरस हो जाती है। एक अभिनेता के रूप में मुझे लगता है कि चरित्र में जितनी अधिक परतें होंगी, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, उतने निभाने में उतना ही मजा आएगा। अहलावत हाल ही में निर्देशक सुदीप शर्मा की सीरीज कोहरा 2 में एक संक्षिप्त भूमिका में नजर आये थे।



भाजपा नेता स्मृति ईरानी पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करती हुई।

अभिनेता आदर्श गौरव रिडले स्कॉट की फिल्म 'एलियन: अर्थ' की दूसरी कड़ी में नजर आएंगे

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म

दमदार कलाकारों की टोली के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे, जिसमें सिडनी चैंडलर, एल्क्स लॉवर, एसी डेविंस, सेमुअल ब्लेनकिन, बाबू सीसे, टिमोथी ओलिफैंट और पीटर डिकलेज जैसे नाम शामिल हैं। आदर्श गौरव ने एक बयान में कहा, इस फिल्म 'एलियन: अर्थ' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। पहले कड़ी को, खासकर मेरे किटदार को जिस तरह का जबरदस्त प्रतिसाद मिला, वह सचमुच उत्साह बढ़ाने वाला और प्रेरणादायक है। 'स्लाइटली' एक बेहद अनोखा और भावनात्मक रूप से जटिल किटदार है, और दूसरी कड़ी में उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद रोमांचक है। उन्होंने कहा, नोआ हौली और रिडले स्कॉट जैसे दूरदर्शी लोगों के नेतृत्व में काम करना हर मायने में प्रेरणादायक है, और इतने प्रतिभाशाली सह-कलाकारों के बीच रहकर लगातार बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मैं एक बार फिर सेट पर लौटने और इस दुनिया में दोबारा खाने के लिए बेहद उत्साहित हूँ।

होता है जिसे कोई किटदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था। उन्होंने कहा, जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूँ। संतूर सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ। अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह फिल्म बहुत खास है। रिशे मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूँ कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। अभिनेता अभिषेक बघन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, ट्रेलर देखकर मेरे सेंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रिशे और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है। रिशे, जेनेलिया और ज्योति ने जो काम किया है, वह फिल्म से कहीं बड़ा है। मैं पहले कभी मराठी सिनेमा में इतने बड़े स्तर की फिल्म नहीं देखी। पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।

'ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद नहीं गया'

दुबई/एपी

ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने मंगलवार को स्क्रीन पर एक 'अलर्ट' जारी कर कहा कि 'ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल अब तक इस्लामाबाद नहीं गया है।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के साथ संपादित वार्ता को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। स्क्रीन पर जारी यह 'अलर्ट' ईरान की धर्मतंत्रिक व्यवस्था के भीतर संभवतः जारी उस आंतरिक बहस

को दर्शाता है जिसमें वह सप्ताहांत में अमेरिकी नौसेना द्वारा एक ईरानी कंटेनर पोत पर कब्जा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर विचार कर रहा है। ईरान की धर्म आधारित व्यवस्था में कहरपंथी नेता सरकारी टेलीविजन को लंबे समय से नियंत्रित करते रहे हैं। अब तक किसी अधिकारी ने यह स्वीकार नहीं किया है कि कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाएगा। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में संपादित वार्ता के लिए अधिकारियों ने पहले से तैयारी कर ली है।

महाकाल के दरबार पहुंचे अनुपम खेर, बोले- 'यहां आकर मिली अलग शांति और शक्ति'

मुंबई/एजेन्सी

जाने-माने अभिनेता अनुपम खेर अक्सर अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने आध्यात्मिक और धार्मिक यात्राओं को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। यह समय-समय पर देश के अलग-अलग मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन करते हैं और अपने अनुभव फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में हाल ही में वह मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और आरती में भी हिस्सा लिया। अनुपम खेर ने अपनी इस खास यात्रा की झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें वह महाकालेश्वर मंदिर के परिसर में घूमते नजर आ रहे हैं। इस मंदिर को देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। इस पोस्ट के कप्शन में अनुपम खेर ने लिखा, "उज्जैन के महाकाल मंदिर पहुंचा। यहां भगवान के दर्शन किए और आप सबके लिए भी प्रार्थना की। यहां आना अद्भुत और दिव्य अनुभव रहा। भारत सच में ऐसे अद्भुत धार्मिक स्थलों से भरा हुआ है, जिनकी प्राचीनता और इतिहास विश्वसनीय है। आज आत्मा को एक अलग ही शांति और शक्ति का अनुभव हुआ। हर हर महादेव! हर हर महाकाल!" पोस्ट में शेयर किए गए वीडियो में अनुपम खेर का उत्साह साफ देखने को मिल रहा है। एक वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे हैं, जय महा काल! मैं यहां उज्जैन में हूँ। मैं मंदिर में पूजा करने आया हूँ। मैं आरती



में मौजूद था, और मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने सबके लिए, आपकी शांति, खुशी और भलाई के लिए प्रार्थना की। मैंने देश के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, "यहां सिर्फ वीआईपी के लिए नहीं, बल्कि सभी भक्तों के लिए बहुत अच्छा इंतजाम किया गया है। यहां सब कुछ अच्छे से ऑर्गनाइज्ड है। मेरे मोबाइल में, मेरे पास भगवान शिव की एक सुंदर तस्वीर है। हर हर महादेव! हर हर महादेव!"



'राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू, भावुक होकर बोले-मुझे महाराज का हाथ है

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रूप-संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाव्यशाली

होता है जिसे कोई किटदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था। उन्होंने कहा, जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूँ। संतूर सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ। अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह फिल्म बहुत खास है। रिशे मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूँ कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। अभिनेता अभिषेक बघन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, ट्रेलर देखकर मेरे सेंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रिशे और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है। रिशे, जेनेलिया और ज्योति ने जो काम किया है, वह फिल्म से कहीं बड़ा है। मैं पहले कभी मराठी सिनेमा में इतने बड़े स्तर की फिल्म नहीं देखी। पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।

भाव्यश्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज को देश का 'सोना' बताया। उन्होंने कहा, ट्रेलर देखने के बाद लग रहा है कि हम सचमुच सोना लेकर आए हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे देश का सोना हैं। आज हम उन्हें अपने घर लेकर आए हैं। जेनेलिया और रितेश का शुक्रिया। पति-पत्नी होने के साथ-साथ निर्वंशक और प्रोड्यूसर की भूमिका निभाना कोई आसान बात नहीं है। वे अक्सर बहस करते थे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। मुझे याद है, जब मैं राजमाता जिजाऊ का रोल कर रही थी, तो जेनेलिया खुद मेरे लिए रोटी-सब्जी लेकर आती थीं और कहती थीं एक कौर खा लो। यही सच्चा प्यार है। अभिनेत्री विद्या बालन ने फिल्म पर गर्व जताते हुए कहा, जब मुझे पता चला कि रितेश छत्रपति शिवाजी महाराज पर मराठी फिल्म बना रहे हैं और उसमें संजय दत्त और रितेश जैसे कलाकार भी हैं, तो मैंने सोचा कि मेरा कोई रोल नहीं हो सकता है, लेकिन रितेश मुझे एक्टर के तौर पर पसंद आए। उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और मैं फिल्म करने के लिए तुरंत तैयार हो गई। मैंने उन्हें फोन करके कहा कि मैं यह फिल्म जरूर करूंगी।

प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



कोयंबटूर में सोमवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कोयंबटूर उत्तर से भाजपा की उम्मीदवार वनाती श्रीनिवासन ने दोपहिया वाहन पर सवार होकर रोड शो किया। उनके साथी बने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नमलाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं की भीड़ रही।



प्रिंस रत्नपुरी प्रतिष्ठा महोत्सवः

पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव 21 से 25 जून तक

मूलनायक भगवान श्री पद्मनाभ स्वामी की प्रतिमा का हुआ मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रिंस रत्नपुरी गार्डन रेजिडेंसी वॉलटेज रोड, कॉडिटोप परिसर में नव निर्मित देव विमान तुल्य जिनालय की प्राण प्रतिष्ठा अंजनशलाखा आगामी 25 जून को आचार्य श्री कुलबोधि सुरेश्वरजी, आचार्य हिरचंद्र सुरेश्वरजी एवं

चेन्नई में विराजमान समस्त भ्रमण श्रमणी संतों की शुभ निश्रा में 21 जून से 25 जून तक पंच दिवसीय महा महोत्सव सहित हर्षोल्लास से संपन्न होगा।

इस श्रृंखला में आचार्य श्री नित्यानंद सुरेश्वरजी की प्रेरणा से जिनालय के मूलनायक भगवान आगामी चौबीसी के प्रथम परमात्मा परमात्मा पद्मनाभ स्वामी की विशिष्ट शिला से निर्मित नयनरस्य प्रतिमा

का मंगल प्रवेश 21 अप्रैल को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मोहरत से पूज्य आचार्य कुलबोधि सुरेश्वरजी की निश्रा रत्नपुरी परिसर में मंगलमय प्रवेश कराया गया। इस कड़ी में रत्नपुरी के समस्त प्रवासी भगवान के रथ एवं बेंड बाजों के साथ हर्षोल्लास से नाचते हुए, जैन धर्म के जयकारों के साथ प्रतिमा की शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए एवं शुभ मुहूर्त में प्रतिमा को प्रवेश कराया गया।



तेरापंथ सभा में अक्षय तृतीया पर वर्षीतप पारणा महोत्सव हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक के श्री जैन धेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में अक्षय तृतीया (वर्षीतप पारणा) का आयोजन 20 अप्रैल को तेरापंथ जैन विद्यालय साहूकारपेट में आचार्य महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री उदितयशाजी के सांनिध्य में गणमोकार महामंत्र और ॐ ऋषभदेवाय नमः के उच्चारण के साथ हुआ। सभा उपाध्यक्ष धर्मीचन्द्र छत्तापानी ने उपस्थित जनमेदिनी का स्वागत करते हुए 14 वर्षीतप तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। महिला मंडल अध्यक्ष अनिता

सुराणा, तेषुप अध्यक्ष राकेश जोसी, सभा मंत्री विजय सुराना एवं विद्यालय न्यास मैनेजिंग ट्रस्टी विमल पिप्पड ने भी तप अनुमोदना कर अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। किलपॉक महिला मंडल द्वारा सुमधुर गीतिका द्वारा तप अर्चना में अपनी आहुति समर्पित की।

साध्वीश्री भव्यशशाजी ने अक्षय तृतीया के महत्व व तप की महिमा को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। अपनी सुमधुर आवाज में एक गीतिका भी प्रस्तुत कर उपस्थित धर्मसभा को वर्षीतप और उनके साथ भगवान ऋषभदेव के 8 दिव्य प्रतीक (अष्ट प्रातिहार्य) का वर्णन भी बखूबी किया। साध्वी श्री उदितयशा जी ने अपने सारगर्भित

प्रवचन में तप की महिमा बताते हुए कहा कि एकाग्र होकर श्रवण करना भी एक तप है। हमें गर्व है कि हमें आदिनाथ भगवान जैसे मार्ग दृष्ट मिले। सभी 14 वर्षीतप तपस्वियों का अभिनंदन सम्मान पत्र और माल्यार्पण के साथ किया गया। ज्ञातव्य रहे कि तपस्वियों में वयोवृद्ध तपस्वी 90 वर्षीया दाखी बाई गेलडा हैं जिनका यह 15वां वर्षीतप है और 25वां वर्षीतप कर रही सुशीला चौपडा भी समारोह में सम्मिलित थीं। अक्षय तृतीया समारोह संयोजक विकास सेठिया का सम्मान किया गया और आपने अपने आभार ज्ञापन वक्तव्य में सभी सहयोगियों के सहकार को नमन किया।



अक्षय तृतीया पर माहेश्वरी महिलाओं ने बांटा नींबू शरबत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर सोमवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर नींबू शरबत का वितरण किया। संगठन की

अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारडा की देखरेख में यशवंतपुर, शक्तिनगर, माहेश्वरी भवन ओकलीपुरम एवं बन्नरघटा रोड पर तपती धूप से राहत पाने के लिए लगभग ढाई हजार राहगीरों

को नींबू शरबत का वितरण किया गया। सचिव शोभा भूतडा ने इस सेवा कार्य में सहयोग करने वाली विभिन्न सदस्याओं व सहयोगियों को धन्यवाद दिया।



‘तेरापंथ मेरा पंथ’ कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के संदर्भ में जैन धेतांबर तेरापंथी महासभा के निर्देशन व तेरापंथी सभा के आयोजकत्व में 21 अप्रैल को

‘तेरापंथ मेरा पंथ’ कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री उदितयशाजी सन्निधि में आयोजित हुआ। कार्यशाला के शुभारम्भ में साध्वी श्री उदितयशा ने मंगलपाठ का उच्चारण करते हुए श्रद्धालुओं को आचार्यश्री भिक्षु की जीवन वृत्तों

का वर्णन किया। साध्वी श्री उदितयशा ने भी जनता को उद्बोधित किया।

कार्यशाला में मुख्य प्रवक्ता उपसक महेंद्र कुमार दक ने प्रोजेक्टर के माध्यम से आचार्यश्री भिक्षु सिद्धार्थों को समझाया। मूर्ति पूजा के संवध में आचार्य भिक्षु द्वारा प्रदत्त चार निषेध की चर्चा करते हुए

भाव पूजा और द्रव्य पूजा का अंतर बताया। निष्ठा मजबूत बने सही दिशा से बड़े तो ज्ञान और चरित्र का विकास होता है। कार्यक्रम के अंत में साध्वी श्रीजी ने श्रावक-श्राविकाओं के जिज्ञासाओं को भी सामहित किया।

कार्यशाला में महासभा के तमिलनाडु आंचलिक प्रभारी विमल

चिप्पड, अमृतवाणी अध्यक्ष ललित दुगड़, जैन महासंघ के अध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया की उपस्थिति रही। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष अशोक खतंग ने अपनी अभिव्यक्ति देते हुए लोगों का स्वागत किया। संचालन व आभार ज्ञापन मंत्री गजेंद्र खांडे ने किया। जानकारी प्रचार प्रसार प्रभारी संतोष सेठिया ने दी।

हिंदू महिलाओं से संबंधित कार्यस्थल के मुद्दों को लेकर कंपनियों से संपर्क करेगा विहिप : संगठन के नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासनाविध हिंदू परिषद (विहिप) देश भर के कॉर्पोरेट और औद्योगिक निकायों से संपर्क करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यस्थलों पर हिंदू महिलाओं को निशाना न बनाया जाए या उनका उत्पीड़न न किया जाए। संगठन के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विहिप के संगठन महासचिव मिलिंद परांडे ने यहां एक प्रेसवार्ता में कहा कि हिंदू संगठन विभिन्न उद्योगों के राष्ट्रीय संगठनों से मुलाकात करेगा और कार्यस्थलों पर ‘लव जिहाद’ और जबरन धर्मांतरण की कथित घटनाओं पर चिंता व्यक्त करेगा।



महिलाओं को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने पर चिंता जताते हुए कहा, ‘हिंदू समाज को निशाना बनाया जा रहा है और वह संकट का सामना कर रहा है। ऐसी प्रवृत्तियां किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं।’ उन्होंने मुस्लिम समुदाय से आत्मचिंतन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, ‘पूरे समुदाय को इस बात पर विचार करना चाहिए कि युवा पीढ़ी को किस प्रकार के मूल्य सिखाए जा रहे हैं। इस तरह की प्रवृत्तियां किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं।’

परांडे ने कहा कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं से पूरा मुस्लिम समुदाय संवेद के घेरे में आ सकता है। विहिप के नेता की यह टिप्पणियां सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नासिक इकाई में कथित उत्पीड़न और धार्मिक दबाव के मामलों के महेनजर आई हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की उनकी मौजूदा यात्रा संगठन के विस्तार के उद्देश्य से किए जा रहे राष्ट्रव्यापी संगठनात्मक दौरा का हिस्सा है।



सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन की 5वीं वार्षिक बैठक रविवार को आरटी नगर में सम्पन्न हुई। संस्था के पूर्व अध्यक्ष राजमणि कुमार सिन्हा एवं सीईओ राम मोहन पाठक ने पिछले वर्ष किए गए

विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी साझा की। पूर्व कोषाध्यक्ष ने वर्षभर प्राप्त दान एवं व्यय का ब्यौरापेश किया। संस्था के संस्थापक प्रवीण कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में फाउंडेशन ने अनेक कार्य किए।

बैठक में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा करते हुए प्रवीण पांडेय

को चेयरमैन, मनोज गुप्ता को निदेशक, नितिन शर्मा को अध्यक्ष, राजमणि कुमार सिन्हा को उपाध्यक्ष, राजीव रंजन को महासचिव, कमलेश यादव को सचिव, धर्मवीर को संयुक्त सचिव, राजेश कुमार को कोषाध्यक्ष, रोशन कुमार को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया। अन्य पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी दी गई।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



अखिल कर्नाटक विकलांग सेवा ट्रस्ट द्वारा सोमवार को बसवा जयंती के उपलक्ष्य में कला ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट के सदस्य।



तपस्या दिखाने के लिए नहीं, स्वयं को देखने के लिए की जानी चाहिए: आचार्यश्री विमलसागरसूरी

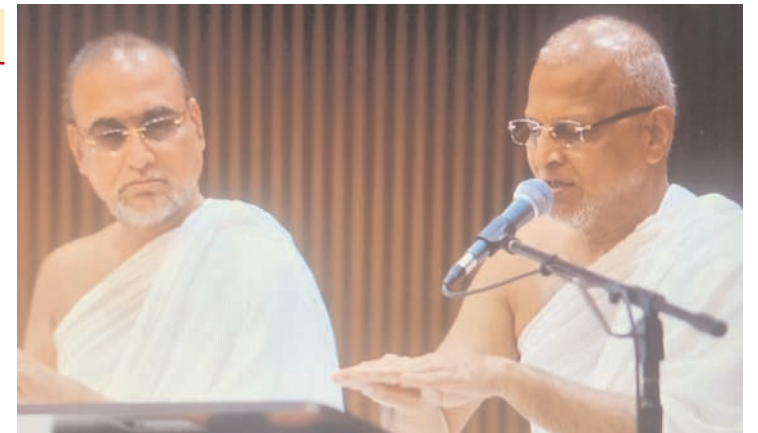
गदग में आयोजित हुआ वर्षीतप का पूर्णाहुति महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय शांतिनाथ वर्षीतप आयोजन समिति, हिरियूर द्वारा गदग में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी एवं गणि पद्मविमलसागरजी आदि भ्रमणगण के सांनिध्य में वर्षीतप की पूर्णाहुति का दो दिवसीय पारणा महोत्सव सोमवार को संपन्न हुआ। वर्षीतप के सभी तपस्वियों ने 405 दिनों में कुल 225 निराहार उपवास कर इस सुदीर्घ साधना को परिपूर्ण किया। साधकों में अनेक युवा दंपति और किशोर भी थे। विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जैन परंपरा की तप साधना बहुत कठिन है। जो निष्काम आदिनाथ प्रभु की प्रतिमा स्थापित की गई। प्राचीन स्तोत्रपाठ और भक्तिगीतों के साथ महाभिषेक विधान हुआ। इसके लिए विविध नदियों के नीर, अनेक जड़ीबूटियों, औषधियां तथा केसर, चंदन, इक्षुरस आदि

सामग्री जुटाई गई। अभिषेक के बाद अष्टप्रकारी पूजन हुआ। पारणे से पूर्व सभी साधकों ने अंबिका, चक्रेश्वरी, पद्मावती एवं कुलदेवी की प्रार्थना व पूजा कर सर्वमंगल की कामना की। फिर गुरुपूजन के बाद गणि पद्मविमलसागरजी ने सभी को तपस्या की पूर्णाहुति का संकल्प दिया। प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ ने अपने 400 उपवास की पूर्णाहुति हस्तिनापुर में राजा श्रेयांश के हाथों इक्षुरस ग्रहण कर की थी। यहां गदग में पुखराज फोकलिया परिवार ने लाभार्थी बनकर श्रेयांश राजा के रूप में सभी साधकों को इक्षुरस से पारणा कराया।

इस अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जैन परंपरा की तप साधना बहुत कठिन है। जो निष्काम भावना से तपस्या करते हैं, वे साधक सचमुच पूजनीय हैं। तपस्या में आहार का परित्याग करना भी सरल नहीं होता, जबकि उससे आगे बढ़कर जो आहार के साथ-साथ अपने औषधियां तथा केसर, चंदन, इक्षुरस आदि



हैं, वे तो खरे अर्थ में महान साधक हैं। ऐसी साधना सहज ही अनेक चमत्कारों का सुजन कर देती है। तपस्या से जितने पापकर्मों का क्षय होता है, उतना किसी दूसरी साधना-आराधना से नहीं होता। इन अर्थों में तप सरल नहीं है।

जैनाचार्य ने कहा कि तपस्या के उत्सवों को अत्यधिक खर्चीला नहीं बनाना चाहिए,

ऐसा करने से तपसाधना की मूल भावना ही नष्ट हो जाएगी। तपस्या दिखाने के लिए नहीं, स्वयं को देखने के लिए की जानी चाहिए। तप के निमित्त भेंट-सौगातों की लेनदेन भी बेहूदी और अनुचित लगती है। होना तो यह चाहिए कि तपस्या के उत्सव में सम्मिलित होने वाले लोग अपने जीवन की किसी न किसी बुराई को छोड़ने का संकल्प लें